राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार,17जुन2020 वर्ष-2, अंक -104 पृष्ठ-04 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन-भारत सीमा पर खूनी संघर्ष, 20 सैनिक शहीद

लद्दाख (एजेंसी)। लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर दोनों देशों के जवानों के बीच हिंसक झड़प में भारत के कमांडिंग ऑफिसर समेत 20 सैनिक शहीद हो गए। यह तब हुआ, जब दोनों ओर से एक भी गोली नहीं चली।

यह खूनी झड़प लद्दाख में 14 हजार फीट ऊंची गालवन वैली में हुई। गालवन वैली वही इलाका है, जहां 1962 की जंग में 33 भारतीयों की जान गई थी।

सीमा पर पिछले 41 दिन से तनाव था। इसे कम करने की कोशिशें भी हो रही थीं। इसी बीच, 15 जून की शाम भारतीय सेना बातचीत करने गई थी, लेकिन चीन की सेना ने अचानक हमला कर दिया।

इस झड़प में भारत ने कर्नल रैंक के कमांडिंग ऑफिसर और 19 जवानों को खो दिया। 3 के नाम सेना ने आधिकारिक तौर पर बताए हैं।

इनमें 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल संतोष बाबू, हवलदार पालानी और सिपाही कुंदन झा शामिल हैं। बाकी नामों की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। चीन की तरफ से भी 3 से 5 सैनिकों के मारे जाने और 11 जवानों के घायल होने की खबर है, लेकिन उसने यह कबूला नहीं है।

ऐसा करीब 45 साल बाद हुआ है कि भारत-चीन बॉर्डर पर हिंसा में किसी सैनिक की शहादत हुई हो। वैसे माना जाता है कि एलएसी बॉर्डर पर आखिरी फायरिंग (दोनों

तरफ से) 1967 में हुई थी, लेकिन ऐसा सच नहीं है। चीन की तरफ से 1975 में भी भारतीय सैनिकों पर हमला हुआ था। इस घटना को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीडीएस बिपिन रावत के साथ एक बैठक की।

भारत और चीन के बीच आखिरी गोली 1967 में चली थी। यानी 53 साल पहले। यह हिंसक झड़प सिक्किम में हुई थी। चीन वहां इसलिए चिढ़ा हुआ था क्योंकि 1962 की जंग के बाद भारत उस इलाके में अपनी स्थिति लगातार बेहतर कर रहा था।

1967 की इस जंग में भारत के 80 जवान शहीद हुए थे। वहीं चीन के करीब 400 सैनिकों ने अपनी जान गंवाई थी। दोनों देशों की तरफ से आखिरी गोलीबारी 1967 में जरूर हुई थी लेकिन इसके 8 साल बाद भी चीन ने घात लगाकर हमला किया था। इसमें चार भारतीय सैनिक शहीद हुए थे।

लाख तनाव के बावजूद चीनी सीमा पर हिंसा नहीं होने की तारीफ पीएम नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं।

उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में कहा था कि दोनों देशों तरफ से बॉर्डर पर एक भी गोली नहीं चलाई गई है

जो दोनों की ही 'परिपक्वता' दिखाता है। अब तक जब कोरोना वायरस पर खुलती पोल के बीच चीन बौखलाया हुआ है तो क्या भारत की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसपर अपना स्टैंड बदलेंगे? यह देखना होगा।

21वीं सदी के अंत तक 4 डिग्री तक बढ़ेगा देश का औसत तापमान

नई दिल्ली। देश में आने वाले समय में गर्मी का प्रकोप बढ़ने वाला है। 21वीं सदी के अंत तक औसत तापमान में 4.4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि गर्मी की लहरों की तीव्रता 3 से 4 गुना तक बढ़ सकती है। जलवायु परिवर्तन संबंधी सरकारी रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वर्ष 1901-2018 के दौरान औसत तापमान में लगभग 0.7 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। इसमें कहा गया है कि बड़े पैमाने पर ग्रीन हाउस गैस-प्रेरित वार्मिंग के कारण ऐसा हुआ है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन मंगलवार को इस रिपोर्ट को प्रकाशित कर सकते हैं। रिपोर्ट को सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज रिसर्च द्वारा तैयार किया गया है। यह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मीटेरोलॉजी, पुणे की एक शाखा है।

सबसे गर्म दिन, ठंडी रात के तापमान में 4.7 डिग्री वृद्धि

रिपोर्ट के मुताबिक 21वीं सदी के अंत तक भारत के औसत तापमान में करीब 4.4 डिग्री सेल्सियस में इजाफा होने का अनुमान है। वर्ष 1986 से लेकर 2015 के बीच यानी 30 साल की अवधि में सबसे गर्म दिन और सबसे ठंडी रात के तापमान में 0.63 डिग्री सेल्सियस और 0.4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। सदी के अंत तक सबसे गर्म दिन और सबसे ठंडी रात का तापमान 4.7 डिग्री सेल्सियस और 5.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान है। गर्म दिन और गर्म रातों की घटना की आवृत्ति 55 प्रतिशत और 70 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। भारत में (अप्रैल-जून) की गर्मी की लहर 21वीं सदी के अंत तक 3 से 4 गुना अधिक होने का अनुमान है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में पाकिस्तान ने उठाया कश्मीर मुद्दा

- भारत ने दिया करारा जवाब, कहा-अपने गिरेबान में झांको

जेनेवा।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (यूएनएचआरसी) में कश्मीर का मुद्दा उठाने को लेकर भारत ने सोमवार को पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। भारत ने पाकिस्तान को अपने गिरेबान में झांकने को कहा और इस बात पर चिंता जताई कि राज्य प्रायोजित नरसंहार करने वाला देश किस तरह दूसरों पर आरोप लगाने का दुस्साहस कर सकता है। भारत ने उदाहरण देकर बताया कि किस तरह पाकिस्तान में ईशनिंदा कानून से अल्पसंख्यकों को आतंकित किया जा रहा है। यूएनएचआरसी के 43वें सत्र में पाकिस्तान द्वारा कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने पर राइट टु रिप्लाई का इस्तेमाल करते हुए भारत के स्थायी मिशन के फर्स्ट सेक्रेटरी सेंथिल कुमार ने कहा कि पाकिस्तान फोरम का गलत इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पड़ोसी देश दूसरों को अनचाही सलाह देने से पहले अपने देश में मानवाधिकारों की गंभीर स्थिति का आत्म-निरीक्षण करे। पाकिस्तान में मानवता के खिलाफ हो रहे अपराधों की ओर काउंसिल का ध्यान खींचते हुए भारत ने कहा कि बलोचिस्तान में लोगों को गायब कर देना, राज्य हिंसा, लोगों को पलायन के लिए मजबूर करना, राज्य द्वारा लोगों की हत्याएं, सैन्य ऑपरेशन,

किस तरह इस कानून के जरिए लोगों को टारगेट किया जा रहा है। कुमार ने कहा, पाकिस्तान में ईशनिंदा कानून के सिस्टमेटिक दुरुपयोग ने अल्पसंख्यकों को आतंकित किया है। हाल में सिंध में दो हिंदू लड़कियां, लाहौर में एक ईसाई लड़की, चालेकी में एक अहमदी महिला और खैरपुर में दो प्रोफेसर इस बात के उदाहरण हैं

डिटेंशन सेंटर और मिलिट्री कैंप्स आम बात है। यह दोहराते हुए कि पिछले साल अगस्त में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने का कोई बाहरी प्रभाव नहीं है, कुमार ने कहा कि शांति और समृद्धि को पटरी से उतारने की पाकिस्तान की नापाक कोशिश के बावजूद लोग आगे बढ़ चुके हैं। भारत ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान ने पहले की तरह मानवाधिकार आयोग और इसके तंत्र का गलत इस्तेमाल कर रहा है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि साउथ एशिया में राज्य प्रायोजित नरसंहार करने वाला एक मात्र देश दूसरों पर आरोप लगाने का दुस्साहस करता है। भारत ने आगे कहा, सवाल यह है कि एक देश जिसके साख पर गंभीर संकट है वह मानवाधिकार की बात करेगा। यह देश धार्मिक कट्टरवाद और खून-खराबे से निकला और इसके इतिहास में हत्याओं, तख्तापलट और कठपुतलियों का खेल (पाक सरकार सेना की कठपुतली) है।कुमार ने बताया कि किस तरह पाकिस्तान में मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है और अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न हो रहा है। उन्होंने बताया कि किस तरह पाकिस्तान में ईशनिंदा के जरिए अल्पसंख्यकों को आतंकित किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण दिया कि किस तरह इस कानून के जरिए लोगों को टारगेट किया जा रहा है। कुमार ने कहा, पाकिस्तान में ईशनिंदा कानून के सिस्टमेटिक दुरुपयोग ने अल्पसंख्यकों को आतंकित किया है। हाल में सिंध में दो हिंदू लड़कियां, लाहौर में एक ईसाई लड़की, चालेकी में एक अहमदी महिला और खैरपुर में दो प्रफेसर इस बात के उदाहरण हैं कि किस तरह पाकिस्तान में इस कानून से अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है।

कोरिया की एंटीजन जांच किट को भारत में मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कोरोना की जांच के लिए कोरियाई एंटीजन टेस्ट किट को मंजूरी दी है। कोरियाई कंपनी बायोसेंसर द्वारा यह किट विकसित की गई है जिसका निर्माण गुरुग्राम में हो रहा है। इस का फायदा यह है कि इससे मौके पर ही मरीज का कोविड परीक्षण हो सकता है। रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट की तुलना में यह बेहद विश्वसनीय है।

आईसीएमआर द्वारा जारी बयान के अनुसार, स्टैंडर्ड क्यू कोविड-19 एजी डिटेक्शन किट का आईसीएमआर और एम्स की प्रयोगशाला में परीक्षण किया गया है। इसके बाद इसे स्वीकृति प्रदान की है। इस टेस्ट के जरिए होने वाले कोरोना की नेगेटिव जांच 99.1 से 100 फीसदी तक सही पाई गई है। जबकि पॉजीटिव जांच 50.6 से 84 फीसदी तक सही पाई गई है। यानी यदि नमूना पॉजीटिव निकले तो आरटीपीसीआर टेस्ट करना होगा और यदि नेगेटिव आए तो टेस्ट की जरूरत नहीं।

दिल्ली में 20 से टेस्टिंग

दिल्ली सरकार 20 जून से एंटीजन टेस्ट किट से जांच शुरू करेगी। इस जांच किट की लागत 450 रुपये होगी। इसके नतीजे भी 30 मिनट से कम समय में आ जाएंगे। कोरोना संक्रमण दुनिया के 213 देशों तक फैल चुका है। आंकड़ों के अनुसार, सोमवार शाम तक कोरोना के दुनियाभर में 80,18,963 मामले दर्ज किए गए। बीते 20 दिन से दुनिया में हर रोज एक लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं और तीन से चार हजार के बीच मौत हो रही हैं। सोमवार को 1,22,913 मामले दर्ज किए गए और 3263 मौतें हुईं। 41 लाख मरीज ठीक हो चुके हैं।

राज्यों से बोला केंद्र, खास ध्यान दें कि कम ही रहे कोरोना से मौतों का आंकड़ा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार चाहती है कि बड़ी संख्या में कोविड -19 मामलों वाले राज्य मामले की मृत्यु दर कम बनाए रखने के मुख्य उद्देश्य से न हटें। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि कोविड मामलों पर नज़र रखने के लिए अधिक टेस्ट, डोर-टू-डोर टेस्ट और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयास जारी रहेंगे। साथ ही मृत्यु दर को कम रखने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए एक विस्तृत कार्य योजना पहले ही तैयार की जा चुकी है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार और बुधवार को मुख्यमंत्रियों के साथ अपनी बैठक में इस मुद्दे को उठा सकते हैं। भले ही भारत की

औसत मृत्यु दर 2.9 पर बनी हुई है लेकिन वैश्विक औसत 5.4 प्रतिशत है। अधिकारियों ने कहा, देश में कुल मौतों में से 80 प्रतिशत से अधिक सिर्फ पांच राज्यों में हैं। इसमें महाराष्ट्र, दिल्ली गुजरात, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश शामिल हैं। उन्होंने कहा, हमने इस बात पर भी ध्यान दिया है कि भारत के 65 जिलों में 5 प्रतिशत से अधिक मृत्यु दर है। और 19 जिलों में से सबसे बड़ा हिस्सा मध्य प्रदेश में है, इसके बाद गुजरात में 11 और महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में 10 -10 लोग हैं। मध्य प्रदेश में, मंडला, सीहोर, उमरिया और छिंदवाड़ा जिलों में से हैं; यूपी में, ललितपुर, झाँसी, मेरठ और आगरा में; और महाराष्ट्र, नंदुरबार, जलगाँव, धुले, और औरंगाबाद में। गुजरात का पोरबंदर, आणंद और अहमदाबाद, पंजाब का कपूरथला, और हरियाणा का जींद भी कम से कम 5त्न सीएफआर वाले जिलों में शामिल हैं।

अधिकारी ने कहा कि सीएफआर मुद्दे पर शनिवार को पीएम द्वारा बुलाई गई बैठक में चर्चा की गई। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और प्रमुख नौकरशाह शामिल थे जो कोविद संकट से निपटने के लिए सशक्त समूहों के सदस्य थे। बैठक में दिल्ली में मामलों और मौतों में स्पाइक पर चर्चा की गई और सीएम के साथ बैठक के लिए जमीन रखी गई।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में एनकाउंटर, सुरक्षाबलों ने ढेर किए 3 आतंकी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच में एनकाउंटर शुरू हो गया। इस मुठभेड़ में सेना के जवानों ने तीन आतंकियों को ढेर कर दिया है। पिछले कुछ दिनों के अंदर शोपियां जिले में कई एनकाउंटर हो चुके हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह एनकाउंटर तुर्कुवगन गांव में चल रहा है। जम्मू कश्मीर पुलिस और सेना के इस ज्वॉइंट ऑपरेशन में दो एके 47 और एक आईएनएसएएस राइफल बरामद हुई हैं। शोपियां जिले में पिछले दस दिनों से भी कम समय में यह चौथा एनकाउंटर है। इससे पहले बीते सप्ताह बुधवार को शोपियां में ही हुए एक एनकाउंटर में पांच आतंकियों को ढेर कर दिया था।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह एनकाउंटर तुर्कुवगन गांव में चल रहा है। जम्मू कश्मीर पुलिस और सेना के इस ज्वॉइंट ऑपरेशन में दो एके 47 और एक आईएनएसएएस राइफल बरामद हुई हैं।

पुलिस के विशेष अभियान समूह, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने तड़के

दुनिया में कोरोना वायरस के 80 लाख से ज्यादा संक्रमित, 213 देशों तक फैला संक्रमण

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण दुनिया के 213 देशों तक फैल चुका है। आंकड़ों के अनुसार, सोमवार शाम तक कोरोना के दुनियाभर में 80,18,963 मामले दर्ज किए गए। बीते 20 दिन से दुनिया में हर रोज एक लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं और तीन से चार हजार के बीच मौत हो रही हैं। सोमवार को 1,22,913 मामले दर्ज किए गए और 3263 मौतें हुईं। 41 लाख मरीज ठीक हो चुके हैं।

3,387,083 केस हल्के लक्षण वाले मरीजों के हैं। जबकि मात्र दो प्रतिशत यानी 54,469 मामलों में मरीज में गंभीर स्थिति का संक्रमण है।

90 फीसदी लोग ठीक हुए-दुनिया भर में संक्रमित पाए गए कुल 45 लाख 77 हजार 411 मामले निस्तारित हो चुके हैं। इन केसों में 90 फीसदी यानी 41,41,273 मरीज ठीक हो गए, जबकि दस प्रतिशत यानी 4,36,138 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। को पहली बार 24 घंटे में एक लाख से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज किए गए थे। इसके बाद से लगातार यह आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। बीते सोमवार को 24 घंटे के अंदर कुल 1,22,913 मामले दर्ज किए गए।

देश में मामले बढ़े-देश में संक्रमण के लगातार तीसरे दिन सोमवार को 11 हजार से ज्यादा केस सामने आए। कुल मामले बढ़कर 3,32,424 हो गए हैं।

सोशल मीडिया, मोबाइल गेम से घट रही सेक्स की लत -अमेरिका में हाल में ही हुए एक रिसर्च में किया दावा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। 21वीं सदी में युवाओं में सेक्स को लेकर अनिच्छा देखी गई है। इसका प्रमुख कारण गेमिंग, सोशल मीडिया और मोबाइल इंटरनेट है। अमेरिका में हुए एक रिसर्च में यह ताजा दावा किया गया है। इस रिसर्च में कहा गया है कि साल 2000 के बाद से अमेरिकी युवाओं में सेक्स को लेकर रुझान एक तिहाई तक कम हुआ है। रिसर्च में पाया गया है कि साल 2000 से लेकर 2018 तक 18 से 24 साल के तीन में से एक अमेरिकी युवा ने पिछले साल किसी भी प्रकार के सेक्स करने से इनकार किया है। सर्वे के दौरान यह भी सामने आया कि 25 से 34 साल के पुरुषों और महिलाओं के बीच यौन गतिविधि में कमी या यौन निष्क्रियता भी बढ़ रही है। सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी में मनो. विज्ञान विभाग के हेड जीन ट्वेंग ने कहा कि युवाओं के पास पहले की अपेक्षा रात में समय बिताने के लिए कई काम हैं। जिसमें वे सेक्स को छोड़कर सोशल मीडिया, इंटरनेट और गेमिंग को प्राथमि. कता दे रहे हैं। रिसर्च में यह भी

सामने आया कि स्कूलों-कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की अपेक्षा बेरोजगार या कम आय वाले पुरुष और महिलाओं में सेक्स को लेकर निष्क्रियता ज्यादा देखी गई। रिसर्च में यह भी कहा गया है कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण लोगों में सेक्स को लेकर अनिच्छा और ज्यादा बढ़ सकती है।2000 से 2018 के बीच 18 से 44 साल की उम्र के लगभग 10,000 अविवाहित पुरुष और महिलाओं के सर्वेक्षण के आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद शोधकर्ताओं ने पाया कि 2016-2018 के बीच सेक्स को लेकर 16.5 फीसदी की कमी देखी गई। जबकि 2000-2002 में यह कमी 9.5 फीसदी थी।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शर्मनाक कूटनीति

कोरोना के समय भी नकारात्मक कूटनीति के लिए मौका निकाल लेना बेहद अमानवीय और शर्मनाक है। पाकिस्तान 31 मई के बाद से ही अपने यहां स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों-कर्मचारियों को परेशान करने में जुटा था। सोमवार को यह सूचना भी आ गई कि दो भारतीय दूतावासकर्मी लापता हैं। जो पाकिस्तानी खुफिया बल इस्लामाबाद में भारतीयों को कभी अकेला नहीं छोड़ता, वह उनकी तलाश की कोशिश का दावा कर रहा है। पाकिस्तान का भारतीयों के प्रति जैसा निर्मम व्यवहार रहा है, उसे देखते हुए भारत को कड़ा रुख अपनाना ही चाहिए। कोरोना के समय में पहली बार नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को बुलाकर यथोचित आपत्ति दर्ज कराई गई है। इतिहास में हम देख चुके हैं, पाकिस्तान भारतीयों को पकड़कर उन पर झूठे आरोप मढ़ने की भी साजिश करता रहा है। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय को ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान स्थित भारतीय दूतावास को भी सचेत रहना होगा। अपने लोगों की सुरक्षा के लिए हर संभावना को टटोलना चाहिए और आगे के लिए सावधान रहना चाहिए। पाकिस्तान के ऐसे व्यवहार की वजह है। 31 मई को ही दो पाकिस्तानी दूतावासकर्मियों को भारत छोड़ने का फरमान सुनाया गया था। ये दोनों पाकिस्तानी एक भारतीय से दस्तावेज लेते और बदले में पैसे व फोन देते पकड़े गए थे। पकड़े जाने पर इन्होंने खुद को भारतीय नागरिक बताया, लेकिन पूछताछ में उनकी कलई खुल गई। उन्हें भारत छोड़ना पड़ा। कूटनीति में बदला बहुत चलता है, जिसमें पाकिस्तान शुरू से माहिर है। दोनों भारतीयों को अगर बदला लेने की मंशा से गायब किया गया है, तो इसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है। येन-केन-प्रकारेण बदला लेने की यह प्रवृत्ति कतई सभ्य नहीं है। इसमें जो बदनामी होती है, उसकी परवाह अब पाकिस्तान को करनी चाहिए। कोई भी देश अपने यहां किसी दूसरे देश के जासूस को स्वीकार नहीं करेगा, लेकिन किसी सामान्य दूतावासकर्मी को परेशान करना कूटनीतिक धर्म या विधान के किसी पैमाने पर तार्किक या न्यायपूर्ण नहीं है। बहुत दुखद है, कोरोना के समय भी घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं, आतंकी हमले जारी हैं। चीन की ओर से जमीन का विस्तार जारी है? नेपाल की ओर से नक्शा बदल जारी है? केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सही कहा है कि हम चीन या पाकिस्तान से जमीन नहीं चाहते, केवल शांति चाहते हैं? वाकई भारत ने कभी किसी की जमीन पर नया या अनर्गल दावा नहीं किया, जो उसका हिस्सा है, उसी की रक्षा के बारे में वह सोचता रहता है। हमें हर कोण से सोचना होगा। पिछले एक महीने से देश के खिलाफ कुछ पड़ोसी देशों की जो सक्रियता बढ़ी है, कहीं वह भारतीय कूटनीति में इन दिनों दिखती शिथिलता का परिणाम तो नहीं है? भारत कहीं फिर से अपने शत्रुओं का सॉफ्ट टारगेट तो नहीं बन रहा? भारत को अपनी परंपरागत अच्छाई और संवाद से ही अपनी कूटनीतिक समस्याओं का समाधान करना होगा। जैसे को तैसा की नीति ओछी होती है और उसे भलमनसाहत व अच्छाई से ही माकूल जवाब मिलता है। गले मिलना अच्छा है, पर उससे पहले सामने वाले के आस्तीन में देख लेना चाहिए। अफसोस, दक्षिण एशिया में ऐसे पड़ोसी, ऐसे नेता हैं, जो महामारी के दुखद समय में भी घात लगा सकते हैं, इसलिए सावधान रहिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था के रिसते जख्म

भरत झुनझुनवाला

भारत की संप्रभुता पर चीन से खतरा मंडरा रहा है। चीन के साथ हमारा व्यापार का घाटा तो पहले ही बढ़ रहा था यानी चीन को निर्यात कम और आयात अधिक थे। इसके अतिरिक्त चीन से भारी मात्रा में भारत में निवेश भी आ रहा है। इस प्रकार हमारी अर्थव्यवस्था पर चीन का शिकंजा कसता ही जा रहा है। इस परिस्थिति में देश के एक वर्ग का मानना है कि भारतीय नागरिकों को चीन का माल खरीदने से बचना चाहिए। उनकी यह बात बिल्कुल सही है। लेकिन भारत सरकार स्वयं चीन के साथ-साथ दूसरे देशों से माल के आयात एवं पूंजी के निवेश को आकर्षित करने का प्रयास कर रही है। समस्या यह है कि पूरे विश्व के लिए हम अपनी अर्थव्यवस्था को खोलें और चीन से उसे अलग करें, ऐसा संभव नहीं है। यदि हम सीधे चीन के माल और निवेश को रोकते हैं तो भी वह घूमकर अपने देश में प्रवेश करेगा ही। अत: यदि हमको चीन से माल के आयात एवं पूंजी निवेश को रोकना है तो दूसरे देशों से भी माल के आयात और निवेश को रोकना पड़ेगा, साथ ही संरक्षणवादी नीतियों को अपनाना पड़ेगा। विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ के अंतर्गत हर देश ने वचन दे रखा है कि वह अधिकतम कितना आयात कर आरोपित करेगा। भारत ने डब्ल्यूटीओ में वचन दिया है कि वह औसतन 48.5 प्रतिशत से अधिक आयात कर नहीं आरोपित करेगा। इसकी तुलना में वर्तमान में भारत ने केवल 13.8 प्रतिशत आयात कर लगा रखा है। यानी डब्ल्यूटीओ में दिए गये वचन के अंतर्गत ही हम अपने आयात कर में 3 गुना वृद्धि कर सकते हैं और चीन समेत दूसरे देशों से माल के आयात को रोक सकते हैं। माल के आयात का विषय विदेशी निवेश से जुड़ा हुआ है। वैश्वीकरण के ये दो पैर हैं। जब हम अपनी अर्थव्यवस्था को माल के आयातों के लिए खोलते हैं तो साथ-साथ विदेशी निवेश के लिए भी खोल देते हैं, जिससे कि हमें आधुनिक तकनीकें उपलब्ध हो जाएं और हम भी उत्तम क्वालिटी का माल बनाकर आयातों के सामने खड़े रह सकें। बताया जाता है कि वर्ष 2019-20 में भारत को 49 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है। लेकिन यह आंकड़ा भ्रामक है। ग्लोबल फाइनेंशियल इंटीग्रिटी नामक स्वतंत्र वैश्विक संस्था ने अनुमान लगाया है कि भारत से 9.8 अरब डॉलर की रकम बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा ट्रांसफर प्राइसिंग के माध्यम से गैर-कानूनी ढंग से विदेश भेजी जा रही है। जैसे यदि किसी कम्पनी के लंदन और मुम्बई में दफ्तर हैं तो मुम्बई शाखा द्वारा निर्यात किये गये माल का दाम कम बताया जाता है। 10 रुपया के माल का 8 रुपये में निर्यात कर दिया जाये तो भारत को 2 रुपये कम मिलेंगे अथवा 2 रुपये जो मिलने थे वे नहीं मिलेंगे अथवा 2 रुपये बाहर चले जायेंगे। इस प्रकार भारत से रकम लंदन को चली जाती है। हमारी पूंजी का बाहर जाने का दूसरा रास्ता भारतीय उद्यमियों द्वारा दूसरे देशों में विदेशी निवेश है। अपने देश से 11.3 अरब डॉलर की रकम गत वर्ष बाहरी विदेशी निवेश के रूप में दूसरे देशों को क़ानूनी ढंग से बाहर गई है। तीसरा रास्ता राउंड ट्रिपिंग का है। कई भारतीय उद्यमी भारत में अर्जित रकम को हवाला के माध्यम से पहले विदेश भेज देते हैं। वहां उसे सफेद रकम में बदलकर वापस भारत को विदेशी निवेश के रूप में ले आते हैं। जैसे किसान अपनी सब्जी को मंडी में बेचे और घरवाले उसी सब्जी को खरीदकर वापस ले आयें। इस प्रकार अपनी ही रकम भारी मात्रा में विदेशी निवेश के रूप में घूमकर अपने देश में आ रही है। इस माध्यम से कितनी रकम आ रही है, इसका आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। बहरहाल, इतना स्पष्ट है कि 49 अरब डॉलर का जो विदेशी निवेश आया बताया जा रहा है उसमें 20 अरब डॉलर तो स्पष्ट रूप से बाहर जा ही रहा है। इसके अलावा अपनी पूंजी घूमकर वापस आ रही है। इस मद से यदि 40 अरब डॉलर बाहर जा रहे हों तो कुल पलायन 60 अरब डॉलर का हो जायेगा जबकि केवल 49 अरब डॉलर आ रहे हैं। वास्तव में अपनी पूंजी बाहर जा रही है। यही हमारी गिरती विकास दर का एक कारण है। इस प्रकार वैश्वीकरण को अपनाकर हमने अपनी अर्थव्यवस्था को विदेशी माल के आयात और अपनी पूंजी के निर्यात के लिए खोल दिया है। हमारी सरकार इस दुर्व्यवस्था पर रोक क्यों नहीं लगाती है? मेरे आकलन में इसके चार कारण हैं। पहला कारण हमारे मध्यम वर्ग को सस्ते विदेशी माल को उपलब्ध कराने का सरकार का उद्देश्य है, जिससे कि मध्यम वर्ग में असंतोष को रोका जा सके। इसलिए सरकार चीन आदि में बने हुए सस्ते माल के आयात पर अधिक आयात कर नहीं लगाना चाहती है। दूसरा कारण भारतीय उद्यमियों द्वारा चीन समेत दूसरे देशों में निवेश है। कन्फेडरेशन ऑफ़ इंडियन इंडस्ट्री की एक रिपोर्ट के अनुसार कम से कम 54 भारतीय कंपनियों ने चीन में निवेश कर रखा है। इनमें से लगभग 30 कम्पनियों के चीन में 50 से अधिक श्रमिक थे और तीन कम्पनियों के 1000 से अधिक श्रमिक थे। जाहिर है कि इन कम्पनियों द्वारा चीन में भारी माल का उत्पादन किया जा रहा है। उसमें से कुछ माल संभवत: भारत में प्रवेश करता होगा। इसलिए इन भारतीय निवेशकों का दबाव भारत सरकार पर दिखता है। यदि भारत सरकार द्वारा चीन से आयातित माल पर अधिक आयात कर लगाये जायेंगे तो इन कम्पनियों द्वारा चीन में उत्पादित माल पर भी संकट आएगा। तीसरा कारण यह है कि भारतीय कम्पनियां भारी मात्रा में भारत से रकम को विदेश भेजने को उत्सुक हैं जैसे टाटा ने इंग्लैंड में जगुआर कम्पनी को खरीदा था। इस खरीद के लिए भारतीय उद्यमियों का भारत सरकार पर दबाव रहता है कि विदेशी निवेश पर अंकुश न लगाया जाये। चौथा कारण यह दिखता है कि सरकारी कर्मियों को विश्व बैंक और बहुराष्ट्रीय कंपनियों से सेवानिवृत्ति के बाद मोटी सलाहकारी मिलती है। भारत सरकार के एक पूर्व सचिव ने आज से 10 वर्ष पूर्व मुझे बताया था कि उन्हें 40 हजार रुपये प्रति घंटा की दर से विश्व बैंक ने सलाहकारी का ठेका दे रखा था। इस प्रकार के व्यक्तिगत ठेकों के प्रलोभनों में वर्तमान सरकारी अधिकारी विदेशी निवेश और विदेशी आयात को रोकने की चेष्टा के प्रति उदासीन रहते हैं क्योंकि इनकी नजर अपने ही भविष्य के ठेकों पर रहती है। इसी कारण भारत सरकार न तो विदेशों से आने वाले माल पर रोक लगाती है न ही अपनी पूंजी के पलायन पर रोक लगाती है, लेकिन देश की जनता को अहसास कराती है कि वह चिंतित है और जनता का आह्वान करती है कि वह चीन का माल न खरीदे जबकि सरकार स्वयं उसी माल के आयात को बनाए रखने के लिए पूरा प्रयास कर रही है।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

आज के ट्वीट

सबक

अभी तो हमने बिहार के एक छोटे से कस्बे से आया हुआ सुशांत सिंह जैसै अद्भुत और उम्दा कलाकार को खोया है।यदि अभी हमने इनको सबक नहीं सिखाया तो पता नहीं कितने और कलाकारों को हमें खोना पड़ेगा।हम लोग जाग जाएं तो इनको सबक सिखाया जा सकता है और बदलाव लाया जा सकता है।

-- बबिता फोगाट

ज्ञान गंगा

करने की बीमारी

आचार्य रजनीश ओशो/पहले, कृत्य की प्रकृति और उसमें छिपे प्रवाह को समझना होगा, अन्यथा विश्रान्ति सम्भव नहीं है। यदि फिर भी तुम विश्रान्त होना चाहते हो, यह असम्भव होगा यदि तुम ने कृत्य की प्रकृति को ध्यान से नहीं देखा होगा, ध्यान नहीं रखा होगा, वास्तव में साकार होते नहीं देखा होगा, क्योंकि कृत्य साधारण घटना नहीं है। बहुत से लोग विश्रान्त होना चाहते हैं, लेकिन वे विश्रान्त नहीं हो पाते। विश्रान्ति एक फूल खिलने के समान है- तुम इसे मजबूर नहीं कर सकते। तुम्हें पूरी घटना को समझना होगा। तुम इतने सक्रिय क्यों हो, सक्रियता की इतनी आतुरता क्यों, इसके लिए इतना पागलपन क्यों? दो शब्द याद रखें- एक कर्म है, दूसरा कृत्य है। कर्म कृत्य नहीं है; कृत्य कर्म नहीं है। इनकी प्रकृति पूर्णतया विपरीत है। परिस्थिति की मांग पर कर्म होता है, तुम कार्य करते हो, प्रतिसंवेदन करते हो। कृत्य में परिस्थिति का महत्त्व नहीं है, यह प्रतिसंवेदन नहीं है; तुम्हारे अन्दर इतनी बेचैनी है, परिस्थिति तो कार्य करने का बहाना हैं। कर्म शांत मन से आता है। यह संसार की सबसे खूबसूरत चीज है। कृत्य अशांत मन से आता है। यह बदसूरत है। ज्यादा कर्म करें, और कृत्यों को अपने आप छूट जानें दें। तुम्हारे अन्दर धीरे-धीरे रूपांतरण आएगा। यह समय लेगा, इसे पकने दें, लेकिन कोई जल्दी भी नहीं है। अब तुम समझ सकते हो विश्रान्ति क्या है। इसका मतलब है कि तुममें कृत्य की कोई उत्तेजना नहीं है। एक मरे हुए इन्सान की भांति लेट जाना विश्रान्ति नहीं है; और तुम मरे हुए इन्सान की भांति लेट भी नहीं सकते; तुम केवल दिखावा कर सकते हो। जब कृत्य की कोई उत्तेजना नहीं होगी तो विश्रान्ति आएगी; ऊर्जा केन्द्र पर है, कहीं नहीं जा रही है। यदि कोई परिस्थिति आती है तो तुम कर्म करोगे, यही सब कुछ है, लेकिन तुम कार्य करने का कोई बहाना नहीं ढूंढ रहे हो। तुम अपने आप में सहज हो। विश्रान्ति का अर्थ है तुम घर लौट आए। विश्रान्ति सिर्फ शरीर की नहीं है, यह सिर्फ मन की भी नहीं है, यह तो तुम्हारे पूरे अंतस की है। तुम कृत्य में बहुत ज्यादा उलझे हो; अवश्य ही थक गए हो, छितर गए हो, शुष्क हो गए हो, जम गए हो। जीवन की ऊर्जा गतिशील नहीं है। वहां सिर्फ बाधाएं ही बाधाएं हैं। और जब भी तुम कुछ करते हो उसे एक पागलपन में करते हो। इसीलिए विश्राम करने की जरूरत पैदा हो जाती है। इसीलिए हर महीने इतनी सारी किताबें विश्रान्ति के संबंध में लिखी जाती हैं।

आज का राशिफल

मेष	अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
वृषभ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।
कर्क	व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।
तुला	व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चो का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
धनु	व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।
मकर	पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।
कुम्भ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।
मीन	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

जर्जर चिकित्सा तंत्र में संवेदनहीन व्यवहार

अनूप भटनागर

बीमा निगम का एक नारा है : 'जीवन के साथ भी, जीवन के बाद भी' यह नारा हमारे संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त गरिमा के अधिकार के बारे में भारतीय दर्शन को उजागर करने के साथ ही नागरिकों और शासन को उसके दायित्वों के प्रति आगाह करता है। यही वजह है कि देश की सर्वोच्च अदालत की व्यवस्था है कि अनुच्छेद 21 में प्रदत्त गरिमा का मौलिक अधिकार सिर्फ जीवित व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसकी मृत देह को भी उपलब्ध है। न्यायालय की इस व्यवस्था के बावजूद देश में अक्सर मृत देह का अनादर करने की घटनायें सामने आती रहती हैं। लेकिन कोरोना महामारी के दौरान मृत देह के प्रति अनादर, मरीजों के साथ ही वार्ड में बिस्तरों पर शव रखे होना तथा शवगृहों में मृतकों के शव की अदला-बदली की घटनायें हमारी जर्जर स्वास्थ्य सेवाओं और संवेदनहीनताओं को उजागर कर रही हैं। जो मृत देह का भी सम्मान करने की हमारी प्राचीन परंपराओं को ठेंगा दिखा रही हैं। अस्पतालों में स्वास्थ्यकर्मी और शवगृहों में व्यवस्था देखने वाले कर्मचारी संवेदनहीनता का परिचय देने के साथ ही मृतक देह की गरिमा के अधिकार की धज्जियां उड़ा रहे हैं। सर्वोच्च अदालत ने कई व्यवस्थाओं में स्पष्ट किया है कि संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त गरिमा का मौलिक अधिकार सिर्फ जीवित व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसकी मृत देह को भी उपलब्ध है। मृत देह को भी गरिमा के साथ अंतिम संस्कार का अधिकार है। संक्रमण से अस्पतालों में जान गंवाने वाले मरीजों के परिजनों को जहां अपने प्रियजन का चेहरा अंतिम बार देखने की इजाजत नहीं दी जा रही, जिसकी वजह से गलत शवों का अंतिम संस्कार किये जाने की घटनायें सामने आ रही हैं। दूसरी ओर, उनके अंतिम संस्कार में अनेक बाधायें पैदा की जा रही हैं। यही नहीं, अस्पतालों के शवगृहों की बदहाली, वहां बेतरतीब रखे शवों की स्थिति मृत देह के प्रति सरकार के उदासीन और गैर-जिम्मेदार रवैये को दर्शा रही है। हाल ही में दिल्ली से लेकर मुंबई तक के सरकारी अस्पतालों में कोरोना से संक्रमित मरीजों के वार्ड में ही बिस्तरों पर शव रखे होने की घटनायें सामने आयी हैं जबकि पश्चिम बंगाल में लाश को घसीटे जाने का वीडियो क्लिप सुर्खियों में रहा है। ये घटनायें बता रही हैं कि सरकारी अस्पतालों में कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए चल रहे संघर्ष में अग्रिम पंक्ति के चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी और सहायक कर्मचारी, कितने संवेदनहीन होते जा रहे हैं। उच्चतम न्यायालय ने जनवरी, 1995 में एक फैसले में इस बात से सहमति व्यक्त की थी कि संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त गरिमा और सम्मान का अधिकार सिर्फ जीवित व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसकी मृतकाया को भी उपलब्ध है। इसी तरह, शीर्ष अदालत ने 2002 में भी अनुच्छेद 21 में प्रदत्त गरिमा के अधिकार के बारे में एक अन्य फैसले में कहा था कि बेघर मृतकों को भी उनकी धार्मिक आस्था के अनुसार सम्मानपूर्वक तरीके से अंतिम संस्कार का अधिकार है और यह सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन व्यवस्थाओं के बावजूद कोरोना संक्रमण की वजह से जान गंवाने वाले व्यक्तियों के शवों के प्रति अनादर की घटनायें हो रही हैं। स्थिति यह है कि दिल्ली, मद्रास और बंबई उच्च न्यायालय इस तरह की घटनाओं का स्वत- संज्ञान लेने के लिए बाध्य हो गये। उच्च न्यायालयों ने अस्पतालों में शवों के साथ हो रहे अनादर की घटनाओं को हृदयविदारक करार देते हुये राज्य सरकारों और संबंधित अस्पतालों को उनके रवैये के लिए आड़े हाथ भी लिया। लेकिन ऐसा लगता है कि न्यायिक आदेशों के बावजूद स्थिति में बहुत अधिक बदलाव नहीं आया है। अभी भी इलाज के लिए परिजनों को सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराने वाले कई परिवार उनके कुशलक्षेम की जानकारी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। आखिर में उन्हें अपने प्रियजन के इस दुनिया में नहीं रहने की सूचना मिलती है। कोरोना संक्रमण से शव ग्रस्त होने की वजह से उसे अच्छी तरह से पैक करके परिवारों को सौंपा जा रहा है, जहां बाद में पता चलता है कि अस्पताल ने गलत शव दे दिया, जिसका अंतिम संस्कार भी कर दिया जाता है। इसमें संदेह नहीं है कि कोरोना महामारी ने देश की स्वास्थ्य सेवाओं की चरमरा चुकी व्यवस्था को उजागर कर दिया है, इसके बावजूद उम्मीद की जाती है कि अस्पतालों में इलाज के दौरान जान गंवाने वाले मरीजों की मृत देह के प्रति सरकार और अस्पतालों के स्वास्थ्यकर्मी संवेदनशीलता दिखायेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका में भारतीय कंपनियों का निवेश 22 अरब डॉलर, दिया 1.25 लाख को रोजगार : सर्वे

नयी दिल्ली। अमेरिका में 155 भारतीय कंपनियों ने 22 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। इसके अलावा भारतीय कंपनियों में अमेरिका के विभिन्न हिस्सों में करीब 1.25 लाख लोगों को रोजगार प्रदान किया है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सीआईआई की रिपोर्ट 'इंडियन रूट्स, अमेरिकन सॉइल-2020' शीर्षक वाली रिपोर्ट में सर्वे में शामिल 155 कंपनियों द्वारा राज्यवार निवेश और रोजगार की जानकारी दी गई है। भारतीय कंपनियां अमेरिका सभी 50 राज्यों के अलावा वॉशिंगटन डीसी और प्यूर्टो रिको में कार्यरत हैं। जिन पांच राज्यों ने भारतीय कंपनियों ने सबसे अधिक रोजगार दिया है उनमें टेक्सास (17,578 नौकरियां), कैलिफोर्निया (8,271), न्यू जर्सी (8,057), न्यूयॉर्क (6,175) और फ्लोरिडा (5,454) शामिल हैं। इसके अलावा जिन पांच राज्यों में भारतीय कंपनियों ने सबसे अधिक निवेश किया है उनमें टेक्सास (9.5 अरब डॉलर), न्यू जर्सी (2.4 अरब डॉलर), न्यूयॉर्क (1.8 अरब डॉलर), फ्लोरिडा (91.5 करोड़ डॉलर) और मैसाच्यूसेट्स (87.3 करोड़ डॉलर) शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, न्यू जर्सी, टेक्सास, कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क, इलिनॉयस और जॉर्जिया राज्यों में सबसे अधिक भारतीय कंपनियां कार्यरत हैं।

16 दिन में दूसरी बार महंगा हुआ विमान ईंधन, इस महीने 82 प्रतिशत बढ़े दाम

नई दिल्ली। विमान ईंधन के दाम 16 दिन में लगातार दूसरी बार बढ़े हैं। देश के विभिन्न शहरों में आज से इनकी कीमत 14 से 17 प्रतिशत के बीच बढ़ाई गई है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंगलवार से विमान ईंधन की कीमत 5,494.50 रुपए यानी 16.36 प्रतिशत बढ़ाकर 39,069.87 रुपए प्रति किलोलीटर कर दी गई है। इससे पहले यहां इसकी कीमत 33,575.37 रुपए प्रति किलोलीटर थी। इस महीने दो बार में दिल्ली में विमान ईंधन 82 फीसदी से अधिक महंगा हो चुका है। पहले एक जून से कीमतों में 56 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। विमान सेवा कंपनियों के कुल व्यय का 35 से 40 प्रतिशत ईंधन के मद में खर्च होता है। ईंधन के दाम बढ़ने से उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कोलकाता में आज से विमान ईंधन की कीमत 14.22 प्रतिशत बढ़कर 44,024.10 रुपए, मुंबई में 16.61 प्रतिशत बढ़कर 38,565.06 रुपए और चेन्नई में 16.40 प्रतिशत बढ़कर 40,239.63 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है। तेल विपणन कंपनियां हर पखवाड़े विमान ईंधन की कीमतों की समीक्षा करती हैं।

ताजा सौदों की लिवाली से ग्वारसीड वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख के कारण सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में मंगलवार को ग्वारसीड की कीमत 49 रुपये की तेजी के साथ 3,533 रुपये प्रति 10 क्विन्टल हो गई। एनसीडीईएक्स में ग्वारसीड के जून महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 49 रुपये अथवा 1.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,533 रुपये प्रति 10 क्विन्टल हो गई जिसमें 3,910 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी प्रकार, ग्वारसीड के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 32 रुपये अथवा 0.9 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,574 रुपये प्रति 10 क्विन्टल हो गई जिसमें 29,164 लॉट के लिए कारोबार हुआ। क्विन्टल हो गई जिसमें 29,164 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों के अनुसार उत्पादक क्षेत्रों से मामूली आपूर्ति के कारण हाजिर बाजार मजबूती के रुख को देखते हुए सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे यहां ग्वारसीड वायदा कीमतों में तेजी आई।

2019 में 9वां सबसे अधिक विदेशी निवेश पाने वाला देश बना भारतः युएस रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत को वर्ष 2019 में 51 अरब डॉलर का विदेशी निवेश प्राप्त हुआ और वह वर्ष के दौरान दुनियाभर में अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पाने वाले देशों में नौवें नंबर पर रहा। संयुक्त राष्ट्र संघ की व्यापार इकाई की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र के व्यापार एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) ने सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत में कोविड- 19 के बाद कमजोर लेकिन सकारात्मक आर्थिक वृद्धि हासिल होने और भारत के व्यापक बाजार देश के लिए निवेश आकर्षित करते रहेंगे। अंकटाड की विश्व निवेश रिपोर्ट 2020 में कहा गया है कि भारत 2019 में 51 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हासिल करने साथ वर्ष के दौरान दुनियाभर में नौवें नंबर पर रहा। इससे पिछले वर्ष 2018 में भारत को 42 अरब डॉलर का एफडीआई प्राप्त हुआ था। तब भारत एफडीआई पाने वाले शीर्ष 20 देशों में 12वें नंबर पर रहा था। विकासशील एशिया क्षेत्र में भारत सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच देशों में शामिल रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 में दुनियाभर में प्रतयक्ष विदेशी निवेश में 40 प्रतिशत तक गिरावट आने का अनुमान लगाया गया है। यह गिरावट 2019 में हुए 1,540 अरब डॉलर के प्रवाह के मुकाबले आ सकती है। यदि ऐसा होता है तो यह 2005 के बाद पहला अवसर होगा कि दुनिया के देशों में एफडीआई पहली बार एक हजार अरब डॉलर के आंकड़े से नीचे आ जाएगा। कोरोना वायरस महामारी के चलते एशिया के विकासशील देशों में एफडीआई प्रवाह 2020 में 45 प्रतिशत तक घटने का अनुमान लगाया गया है। दक्षिण एशिया के देशों में भी एफडीआई में 2020 के दौरान गिरावट आने का अनुमान है।

2050 में 160 करोड़ होगी भारत की जनसंख्या, सबको अच्छा भोजन देना बड़ी चुनौतीः तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि वर्ष 2050 में भारत की आबादी 160 करोड़ तक पहुंच जाने की संभावना है। ऐसे में भारतीय प्लांट ब्रीडर्स और वैज्ञानिकों के सामने गुणवत्तायुक्त खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ाने की बड़ी चुनौती है ताकि बढ़ती आबादी को पोषणयुक्त भोजन मिलता रहे। इसके लिए रोगरोधी व कीटरोधी उन्नत प्रजातियां विकसित करने की जरूरत है, जो सूखा, अत्यधिक तापमान, लवणीय व अम्लीय मिट्टी जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अच्छी पैदावार देने में समर्थ हों। तोमर ने कहा कि बायोफोर्टिफिकेशन स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल कर उच्च प्रोटीन, आयरन, ज़िंक, आदि पोषक तत्वों वाली उन्नत फसलों की प्रजातियां विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि कृषि क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ाने की जरूरत है। इससे देश में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और समृद्धि आएगी। एक वेबीनार को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री तोमर ने कहा कि किसानों ने साबित किया है कि वे किसी भी कठिन चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं। कोविड संकट में, जब विश्व अर्थव्यवस्था के पहिए की रफ्तार धीमी पड़ गई थी।

जून तिमाही में एडवांस टैक्स कलेक्शन 31 प्रतिशत घटा

मुंबई। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान यदि अग्रिम कर वसूली की बात की जाए तो इसमें 31 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। इसमें भी कार्पोरेट कर की अग्रिम प्राप्ति 79 प्रतिशत घटी है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आयकर विभाग के एक अधिकारी ने कहा, ''वित्त वर्ष 2020- 21 की पहली तिमाही में सकल प्रत्यक्ष कर वसूली 31 प्रतिशत घटकर 1,37,825 करोड़ रुपये रही है। एक साल पहले जून 2019 में यह राशि 1,99,755 करोड़ रुपए रही थी। पहली तिमाही के दौरान अग्रिम कर भुगतान की अंतिम तिथि 15 जून होती है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के शुरुआती दो महीने देश में पूरी तरह से लॉकडाउन लागू था। कोरोना वायरस महामारी को काबू में रखने के लिए 25 मार्च से यह लॉकडाउन लगाया गया जिसे कई चरणों में आगे बढ़ाया जाता रहा। इसके परिणामस्वरूप देश में करीब 80 प्रतिशत आर्थिक गतिविधियां बंद रहीं। इसके परिणामस्वरूप देश में करीब 80 प्रतिशत आर्थिक गतिविधियां बंद रहीं। लॉकडाउन को एक जून से चरणबद्ध तरीके से उठाना शुरू कर दिया गया है लेकिन अभी अर्थव्यवस्था में गतिविधियां पूरी तरह से सामान्य नहीं हो पाईं।

देश में ईंधन मांग कोरोना वायरस के पहले के स्तर के 80-85 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि देश में पेट्रोलियम ईंधन की मांग कोरोना वायरस महामारी के पहले के स्तर के 80 से 85 प्रतिशत पर पहुंच गई है। वहीं उद्योग ने कहा कि लेकिन ईंधन मांग में 5 प्रतिशत वृद्धि आने में दो साल लग सकता है। कोरोना वायरस महामारी और उसकी रोकथाम के लिए 'लॉकडाउन से दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता देश में ईंधन बिक्री 2007 के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई। 'लॉकडाउन के दौरान मांग 70 प्रतिशत लुढ़क गई लेकिन मई की शुरूआत से 'लॉकडाउन में ढील देने के साथ इसमें सुधार हुआ है। प्रधान ने एक वेबिनार (इंटरनेट के जरिए आयोजित सेमिनार) में कहा, ''जून 2019 से तुलना करने पर पेट्रोलियम उत्पादों की मांग इस साल जून के पहले पखवाड़े में कोरोना वायरस महामारी से पहले के स्तर के 80 से 85 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। इसी कार्यक्रम में सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के चेयरमैन संजीव सिंह ने कहा कि ईंधन के मामले में 4-5 प्रतिशत वृद्धि के रास्ते पर लौटने में 2 साल का समय लगेगा। वित्त वर्ष 2019-20 में धीमी आर्थिक गतिविधियों कारण ईंधन की बिक्री हल्की हुई थी। उससे पहले मांग में 4 से 5 प्रतिशत की वृद्धि हो रही थी। मई में ईंधन खपत 1.465 करोड़ टन रही जो अप्रैल के मुकाबले 47.4 प्रतिशत अधिक है लेकिन एक साल पहले की तुलना में 23.3 प्रतिशत कम है। सर्वाधिक खपत वाला ईंधन डीजल की मांग मई में करीब 29.4 प्रतिशत कम हुई जबकि पेट्रोल की बिक्री 35.3 प्रतिशत घटी है। उद्योग के आंकड़े के अनुसार 1 जून से 15 जून के दौरान डीजल मांग में सुधार आया और यह 26.7 लाख टन रहा जो एक साल पहले इसी अवधि के

मुकाबले 15 प्रतिशत कम है। वहीं पेट्रोल की बिक्री इसी अवधि 9,30,000 टन रही जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 18 प्रतिशत कम है। एयरलाइनों की उड़ानें रद्द होने से एटीएफ (विमन ईंधन) की बिक्री शून्य पर आ गई थी। यह जून के पहले पखवाड़े में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 73 प्रतिशत कम रही। एलपीजी की बिक्क्री 7 प्रतिशत बढ़कर 9,60,000 टन रही। पिछले वित्त वर्ष में ईंधन मांग 21.37 करोड़ टन के स्तर पर स्थिर रही। इससे पहले 2018-19 में ईंधन मांग में 3 से 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी और यह 21.32 करोड़ टन रही थी।

इमरजेंसी लोन सुविधा के तहत स्टेट बैंक ने एमएसएमई को अब तक दिए 8,700 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसने तीन लाख करोड़ रुपए की आपातकालीन क्रेडिट गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत अभी तक एमएसएमई को 8,700 करोड़ रुपए का कर्ज दिया है। ये क्षेत्र कोरोना वायरस महामारी के कारण लागू लॉकडाउन से काफी हद तक प्रभावित हुआ है। वित्त मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, एसबीआई और दूसरे बैंकों ने एनसीएमईटीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार सूक्ष्य, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की मदद करने के लिए गारंटीशुदा आपातकालीन क्रेडिट लाइन (जीईसीएल) ऋण उत्पादों की पेशकश की है। ईसीएलजीएस पिछले महीने घोषित 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का सबसे बड़ा राजकोषीय घटक है। इस योजना के तहत योग्य एमएसएमई और इच्छुक मुद्रा लेनदारों को जीईसीएल सुविधा के रूप में अतिरिक्त कर्ज दिया जाएगा। राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी न्यासी कंपनी एसबीआई ने एक बयान में कहा, ''बैंक ने 1.5 लाख एमएसएमई ग्राहकों को 15,000 करोड़ रुपए के जीईसीएल की मंजूरी दी है। बयान में कहा गया कि एमएसएमई ग्राहकों के लिए कोविड इमरजेंसी क्रेडिट लाइन, कार्यशील पूंजी सीमाओं का पुनर्मूल्यांकन और अग्रिमों का पुनर्गठन जैसे अतिरिक्त राहत उपाय भी किए जा रहे हैं।

देश में ईंधन मांग कोरोना वायरस के पहले के स्तर के 80-85 प्रतिशत पर पहुंची

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि देश में पेट्रोलियम ईंधन की मांग कोरोना वायरस महामारी के पहले के स्तर के 80 से 85 प्रतिशत पर पहुंच गयी है। वहीं उद्योग ने कहा कि लेकिन ईंधन मांग में 5 प्रतिशत वृद्धि आने में दो साल लग सकता है । कोरोना वायरस महामरी और उसकी रोकथाम के लिये 'लॉकडाउन' से दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता देश में ईंधन बिक्री 2007 के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गयी। 'लॉकडाउन' के दौरान मांग 70 प्रतिशत लुढ़क गयी लेकिन मई की शुरूआत से 'लॉकडाउन' में ढील देने के साथ इसमें सुधार हुआ है। प्रधान ने एक वेबिनार (इंटरनेट के जरिये आयोजित सेमिनार) में कहा, ''जून 2019 से तुलना करने पर पेट्रोलियम उत्पादों की मांग इस साल जून के पहले पखवाड़े में कोरोना वायरस महामारी से पहले के स्तर के 80 से 85 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गयी है।'' इसी कार्यक्रम में सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के चेयरमैन संजीव सिंह ने कहा कि ईंधन के मामले में 4-5 प्रतिशत वृद्धि के रास्ते पर लौटने में 2 साल का समय लगेगा। वित्त वर्ष 2019-20 में धीमी आर्थिक गतिविधियों कारण ईंधन की बिक्री हल्की हुई थी। उससे पहले मांग में 4 से 5 प्रतिशत की वृद्धि हो रही थी। मई में ईंधन खपत 1.465 करोड़ टन रही जो अप्रैल के मुकाबले 47.4 प्रतिशत अधिक है। लेकिन एक साल पहले की तुलना में 23.3 प्रतिशत कम है। सर्वाधिक खपत वाला ईंधन डीजल की मांग मई में करीब 29.4 प्रतिशत कम हुई जबकि पेट्रोल की बिक्री 35.3 प्रतिशत घटी है। उद्योग के आंकड़े के अनुसार 1 जून से 15 जून के दौरान डीजल मांग में सुधार आया और यह 26.7 लाख टन रहा जो एक साल पहले इसी अवधि के मुकाबले 15 प्रतिशत कम है। वहीं पेट्रोल की बिक्री इसी अवधि 9,30,000 टन रही जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 18 प्रतिशत कम है। एयरलाइनों की उड़ानें रद्द होने से एटीएफ (विमन ईंधन) की बिक्री शून्य पर आ गयी थी। यह जून के पहले पखवाड़े में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 73 प्रतिशत कम रही। एलपीजी की बिक्री 7 प्रतिशत बढ़कर 9,60,000 टन रही। पिछले वित्त वर्ष में ईंधन मांग 21.37 करोड़ टन के स्तर पर स्थिर रही। इससे पहले 2018-19 में ईंधन मांग में 3 से 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी और यह 21.32 करोड़ टन रही थी। वहीं 2017-18 में 5.96 प्रतिशत ढ़कर 20.62 करोड़ टन रही थी।

सेबी ने भेदिया कारोबार मामले में 3.83 करोड़ रुपए जब्त करने का आदेश दिया

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को एक भेदिया कारोबार मामले में डायनामेटिक टेक्नालॉजीज लिमिटेड (डीटीएल) के प्रबंध निदेशक और सीईओ उदयंत मल्होत्रा की 3.83 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि को जब्त करने का आदेश दिया। सेबी ने एक आदेश में कहा, ''यूपीएसआई अवधि के दौरान किए गए सौदों में होने वाले अनुमानित नुकसान की राशि 3.83 करोड़ रुपए को तत्काल प्रभाव से उदयंत मल्होत्रा से जब्त किया जाए। नियामक ने अगस्त-नवंबर 2016 के बीच डायनामेटिक टेक्नालॉजीज लिमिटेड (डीटीएल) के शेयरों में संभावित भेदिया कारोबार की जांच की। जांच के दौरान नियामक ने पाया कि डीएलएल के सीईओ और प्रबंध निदेशक होने के नाते मल्होत्रा के पास यूपीएसआई (अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी) थी और उन्होंने कंपनी के शेयरों का सौदा किया। सेबी ने पाया कि डीटीएल के तिमाही वित्तीय परिणामों को 11 नवंबर 2016 को बाजार बंद होने के बाद शेयर बाजारों को सूचित किया गया, और अगले दिन डीटीएल के शेयर गिर गए। इस प्रकार मल्होत्रा ने यूपीएसआई के आधार पर कारोबार किया और 3.83 करोड़ रुपए से अधिक के नुकसान से बच गए।

मई महीने में निर्यात और व्यापार घाटे में आई गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की वजह से पूरी दुनिया में कारोबार की रफ्तार में सुस्ती आ गई है। लिहाजा भारत के आयात-निर्यात में गिरावट देखने को मिल रही है। मई महीने में भारत का एक्सपोर्ट 36.47 फीसदी कम होकर 19.05 अरब डॉलर रहा। खास तौर से पेट्रोलियम, कपड़े, इंजीनियरिंग और ज्वैलरी के एक्सपोर्ट में कमी के कारण कुल एक्सपोर्ट में गिरावट आई है। यह लगातार तीसरा महीना है जब एक्सपोर्ट में गिरावट आई है । कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक, इम्पोर्ट भी पिछले महीने 51 फीसदी से घटकर 22.2 अरब डॉलर रहा। इससे व्यापार घाटा 31.5 अरब डॉलर पर आ गया जो कि पिछले साल इसी महीने में 15.36 अरब डॉलर था। हालांकि महीने में जो गिरावट आई है वो अप्रैल के मुकाबले काफी कम है। अप्रैल महीने में इसमें 60.28 फीसदी की गिरावट देखने को मिली थी। मई में तेल आयात 71.98 फीसदी घटकर 3.49 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले इसी महीने में 12.44 अरब डॉलर था। सोने का इम्पोर्ट भी मई महीने में 98.4 फीसदी लुढ़क कर 7.631 करोड़ डॉलर रहा। के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि कोरोना वायरस की वजह से जो कारोबार प्रभावित हुआ था, अब उसमें सुधार दिख रहा है। बता दें कि करेंट फिस्कल ईयर के पहले दो महीनों अप्रैल-मई में एक्सपोर्ट 47.54 फीसदी घटकर 29.41 अरब डॉलर रहा। वहीं इम्पोर्ट भी 5.67 फीसदी घटकर 39.32 अरब डॉलर रहा। करेंट फिस्कल ईयर के पहले दो महीने में व्यापार घाटा 9.91 अरब डॉलर रहा।

तेल रिफाइनिंग क्षमता 2030 तक दोगुना करने की योजनाः प्रधान

नयी दिल्ली (एजेंसी) ।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि देश में तेल शोधन क्षमता को दस साल में दोगुना कर 45 से 50 करोड़ टन तक पहुंचाने की योजना है। घरेलू मांग को पूरा करने के साथ साथ पेट्रोलियम उत्पादों की निर्यात मांग को पूरा करने के लिये यह योजना बनाई गई है। प्रधान ने 'आत्मनिर्भर भारत- तेल एवं गैस क्षेत्र में घरेलू इस्पात के इस्तेमाल को बढ़ावा देने' पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुये कहा कि शोधन क्षमता को दोगुना करने के मामले में काफी अहम भूमिका निभाने वाली छह करोड़ टन सालाना क्षमता की पश्चिमी तट रिफाइनरी का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा, ''हमारी तेल शोधन क्षमता करीब 25 करोड़ टन से बढ़कर अगले दस साल के दौरान 45 से 50 करोड़ टन सालाना तक पहुंच जायेगी।'' उन्होंने कहा, ''शोधन क्षमता में यह वृद्धि दोनों तरह से हासिल की जायेगा। मौजूदा रिफाइनरियों का विस्तार करने के साथ ही नई रिफाइनरी लगाई जायेगी। वर्तमान में 21.37 करोड़ टन ईंधन की मांग के मुकाबले तेल शोधन क्षमता बढ़कर 24.99 करोड़ टन तक पहुंची है लेकिन 2030 तक देश में ईंधन की मांग बढ़कर 33.50 करोड़ टन और 2040 तक 47.20 करोड़ टन तक पहुंच जाने का अनुमान है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने अनुमान व्यक्ति किया है कि 2040 तक भारत की ऊर्जा मांग 45.80 करोड़ टन सालाना तक पहुंच जायेगी। भारत दुनिया का तीसरा बड़ तेल उपभोक्ता है। भारत अपनी कुल जरूरत का 85 प्रतिशत तक आयात करता है। वह आने वाले समय के लिये बढ़ती मांग को पूरा करने की योजना तैयार कर रहा है। प्रधान ने कहा कि भारत अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिये कदम उठा रहा है। राजस्थान के बाड़मेर में 90 लाख टन शोधन क्षमता की नई रिफाइनरी लगाई जा रही है। इसका निर्माण कार्य जारी है वहीं गुजरात की कोयली, हरियाणा में पानीपत, ओडिशा में पारादीप, आंध्र प्रदेश में विजाग, मुंबई, मध्यप्रदेश के बीना, असम के नुमाली गढ़ और तमिलनाडू में चेन्नई स्थित मौजूदा रिफाइनरियों का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''पश्चिम तटीय रिफाइनरी का निर्माण जल्द शुरू किया जायेगा।'' उन्होंने कहा कि रिफाइनरी के निर्माण के साथ साथ तेल एवं गैस की गैस वितरण नेटवर्क के विस्तार कार्यों में इस्पात की मांग बढ़ेगी।

छठी किशत से पहले मोदी सरकार ने भेजा मैसेज, परेशान किसानों को होगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मोदी सरकार 1 अगस्त से 2000 रुपए की छठी किशत भेजने वाली है। इस स्कीम के तहत अब तक सरकार ने 9.85 करोड़ किसानों को लाभ पहुंचाया है। इस बार की किशत भेजने से पहले मोदी सरकार ने सभी किसान भाइयों को एक मैसेज भेजा है, जो किसानों के फायदे का है। मोदी सरकार की तरफ से भेजे गए मैसेज में लिखा है- प्रिय किसान, अब आप अपने आवेदन की स्थिति की हेल्पलाइन नंबर 011-24300606 पर कॉल करके जान सकते हैं। यानी अब अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से बहुत ही आसानी से आप आवेदन के बारे में जान सकते हैं। पीएम-किसान स्कीम के सीईओ विवेक अग्रवाल ने कहा कि अगस्त से इस स्कीम की छठी किशत भेजी जाएगी। उन्होंने ये भी बताया कि अब तक 9.54 करोड़ लोगों को इसका लाभ मिल चुका है। बता दें कि इस स्कीम के तहत मोदी सरकार तीन किश्तों में किसानों को हर साल 6000 रुपए का लाभ देती है। देश में करीब 1.3 करोड़ किसान ऐसे हैं, जिन्होंने आवेदन तो किया है लेकिन इस स्कीम के तहत उन्हें पैसा नहीं मिल सका है। इसकी वजह ये है कि या तो उनका आधार नहीं लगा है या फिर आधार और बैंक खाते में मोबाइल नंबर गलत है। अब मोदी सरकार ने जो नंबर 011-24300606 जारी किया है, उस पर सीधे संपर्क कर के अपनी दिक्कत बता सकते हैं।

अगर कोई अधिकारी किसी तरह की लापरवाही कर रहा है, तो उसकी शिकायत भी इस नंबर पर की जा सकती है।

टाटा मोटर्स पर भी पड़ा कोरोना वायरस का असर, JLR से जा सकती हैं करीब 1,100 नौकरियां

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की वजह से कई बड़ी कंपनियों को बडी आर्थिक चपत लगी है। ऐसे में कंपनियों ने छंटनी करने का मन बना लिया है। टाटा मोटर्स अपनी कंपनी जैगुआर लैंड रोवर के खर्चे कम करने के लिए 1100 अस्थायी कर्मचारियों की छंटनी करने वाली है। कंपनी अपनी कॉस्ट कटिंग योजना के तहत कुल 1.26 अरब डॉलर की बचत करने का लक्ष्य रखा है। टाटा मोटर्स ने अपनी कंपनी छुस्क्र यूनिट में मार्च 2021 तक 5 अरब पाउंड की बचत करने की उम्मीद की है। इंडियन ऑटो मेकर के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर पीबी बालाजी ने कहा कि कंपनी ने 3.5 अरब पाउंड की बचत पहले ही हासिल कर ली है। इसके अलावा कंपनी मौजूदा फिस्कल ईयर में छुस्क्र में अपना पूंजी गत खर्च घटाकर 2.5 बिलियन डॉलर पर लाएगी, जो कि पिछले सालों के दौरान सालाना आधार पर 3 बिलियन डॉलर से अधिक था। कंपनी को चौथी तिमाही में नुकसान होने के बाद बाला जी ने कहा कि हमारा फोकस पूंजीगत व्यय को कम करना और सही एरिया में निवेश करने का लक्ष्य है। छुस्क्र के प्रवक्ता ने एक अलग में बयान में कहा कि कंपनी के इस कदम से करीब 1,100 (कॉन्ट्रैक्ट में) एजेंसी के कर्मचारियों की नौकरी प्रभावित होगी। मौजूदा समय में टाटा मोटर्स अपने सभी बिजनेस का रिव्यू कर रही है और उन कामों से बाहर निकलने की तैयारी कर रही है, जिनका कंपनी के विकास में अहम भूमिका नहीं है। यह कदम फिस्कल ईयर 2021 में 600 करोड़ रुपये बचत करने के मकसद से उठाए जा रहे हैं। कंपनी ने सोमवार को मार्च 2020 तिमाही के नतीजे घोषित कर दिए हैं, जिसमें उसे 9894 करोड़ रुपए का कंसॉलिडेटेड नेट लॉस हुआ है। कंपनी की इस तिमाही (चौथी तिमाही) में कमाई 27.7 फीसदी घटकर 62,493 करोड़ रुपए रही है। बालाजी ने कहा कि टाटा मोटर्स को सबसे अधिक कमाई छुस्क्र से ही होती है। कंपनी को 50.1 करोड़ का प्री टैक्स का घाटा हुआ है। कंपनी को ये झटका कोरोना वायरस की वजह से लगा है।

सीरीज से पहले केमार रोच ने दी आर्चर को चेतावनी, बोले- मैदान पर दोस्ती के लिए कोई जगह नहीं

स्पोर्ट्स डेस्क। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज केमार रोच ने इंग्लैंड के खिलाफ आठ जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले कहा है कि उनकी टीम का पूरा ध्यान केवल जीतने पर होगा। रोच ने कैरेबियाई मूल के इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को चेतावनी देते हुए कहा कि इस सीरीज में दोस्ती के लिए कोई जगह नहीं है और जब दोनों टीमें मैदान पर एक-दूसरे के आमने-सामने होंगी तो ध्यान केवल जीतने पर होगा। दरअसल, क्रिकेट वबेसाइट से बातचीत के दौरान रोच ने कहा, 'जोफ्रा ने अपना फैसला कर लिया है और मैं समझता हूं कि उसने अब तक के अपने करियर में शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन इस सीरीज में दोस्ती के लिए कोई जगह नहीं है। इस सीरीज में बेहतर क्रिकेट खेलना और जीतना ही हमारा लक्ष्य है। जब हम जोफ्रा के सामने होंगे तो हमारे पास उसका मुकाबला करने के लिए एक शानदार योजना होगी। मैं और मेरी टीम उस पल का इंतजार कर रहे हैं। वेस्टइंडीज की 11 रिजर्व खिलाड़ियों सहित कुल 25 सदस्यीय टीम इस दौरे पर पहुंची है और इस समय वह मैनचेस्टर में 14 दिन के अनिवार्य क्वारंटीन पर है। गौरतलब है कि वेस्टइंडीज को इंग्लैंड के खिलाफ आठ जुलाई से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। कोरोना के कारण दुनिया भर में खेल गतिविधियां ठप्प रहने के बीच इस सीरीज से क्रिकेट । इस सीरीज के मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

आईपीएल

क्रिकेट फैंस के लिए खुशखबरी, 26 सितंबर से शुरु हो सकता आईपीएल 2020 का रोमांच!

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

कोविड -19 ने पूरे दुनिया में तहलका मचा रखा है। जिसकी वजह से कई देशों की अर्थव्यवस्था खतरें पर पड़ गई है। कोरोना से निपटने के लिए देश में पिछले तीन महीने से जारी लॉकडाउन के कारण 'कोई आय नहीं होने से आम आदमी सबसे बुरी तरह प्रभावित हुए है। ऐसे में बीसीसीआई ने आईपीएल को लेकर इन तरीकों को चुना है। जिसके बाद क्रिकेट के गलियारें से लेकर फैंस तक चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, एक रिपोर्ट के अनुसार अगर 20 वर्ल्ड कप को मना कर दिया जाता है तो बीसीसीआई आईपीएल 2020 को 26 सितंबर से 8 नवंबर के बीच आयोजित करेगा।

आपको बता दे कि अभी इस बात का फ़ैसला नहीं हुआ है कि इसका आयोजन किस देश में किया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन अर्ल एडिंग्स ने मंगलवार को स्वीकार किया कि कोरोना वायरस महामारी के बीच इस साल टी20 विश्व कप का आयोजन 'अवास्तविक है क्योंकि 16 टीमों का यहां आ पाना संभव नहीं होगा। इस साल टी20 विश्व कप का आयोजन 'अवास्तविक है क्योंकि 16 टीमों का यहां आ पाना संभव नहीं होगा। अक्टूबर नवंबर में होने वाले टूर्नामेंट के बारे में आईसीसी को फैसला लेना है।

एक वेबसाइट से बातचीत के दौरान गांगुली ने कहा था कि बीसीसीआई इस साल आईपीएल के आयोजन के लिए सभी संभावित विकल्पों पर काम कर रहा है जिसमें खाली स्टेडियमों में खेलना भी शामिल है। उन्होंने कहा, 'प्रशंसक, फ्रेंचाइजी, खिलाड़ी, प्रसारक, प्रायोजक और सभी हितधारक इस साल आईपीएल के आयोजन की संभावना को लेकर उत्सुक हैं।

संन्यास के मुद्दे पर मोहम्मद हफीज ने तोड़ी चुप्पी, रमीज को लेकर कही बात

कराची (एजेंसी)।

पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी मोहम्मद हफीज ने पूर्व कप्तान रमीज राजा पर निशाना साधते हुए कहा कि संन्यास लेने का फैसला करने का हक सिर्फ उनका है। रमीज ने पिछले दिनों इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी गयी टीम में हफीज को जगह मिलने के बाद 39 साल के इस सीनियर खिलाड़ी से खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की सलाह दी थी। दरअसल, एक क्रिकेट वेबसाइट से बातचीत के दौरान हफीज ने कहा, 'मैं किसी के कहने पर क्रिकेट नहीं खेलता, न ही किसी के कहने पर क्रिकेट छोड़ूंगा। यह मेरा जीवन है, क्रिकेट करियर और संन्यास पर फैसला करना का हक मेरा भी है। पाकिस्तान के इस पूर्व कप्तान ने 55 टेस्ट खेलने के बाद संन्यास ले लिया था लेकिन वह

सीमित ओवरों के प्रारूप में सक्रिय है। उन्होंने 218 एकदिवसीय और 91 टी20 मैच खेले है। हफीज ने आगे कहा, 'यह (रमीज की) राय है, लेकिन मैं कहता हूं कि किसी खिलाड़ी के करियर का फैसला सिर्फ उसकी उम्र के आधार पर नहीं करना चाहिए। अगर वह सुपर फिट है, प्रदर्शन कर रहा है और अपने देश के लिए अच्छा करना चाहता है, तो समस्या क्या है। उन्होंने कहा, 'रमीज अपनी राय व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र है लेकिन क्रिकेट खेलने या संन्यास लेने का मेरा निर्णय किसी की सलाह पर निर्भर नहीं करता है। हफीज ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह इंग्लैंड में टेस्ट मैच खेलने के लिए भी तैयार हैं।

इटालियन कप के फाइनल से पहले रोनाल्डो की कोशिश लय हासिल करने पर

रोम। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कोशिश इटालियन कप फुटबॉल के फाइनल से पहले लय हासिल करने की है। कोविड-19 महामरी के कारण लगभग तीन महीने तक स्थगित रहने के बाद फिर से सत्र शुरू होने के बाद जुवेंटस का यह खिलाड़ी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते दिखा। इटैलियन कप के सेमीफाइनल में एसी मिलान के खिलाफ वह कुछ मौकों पर गोल करने से चूक गए जिसमें एक आसान पेनल्टी भी शामिल थी। इस मैच के गोल रहित ड्रा होने के बाद भी रोनाल्डो की टीम हालांकि फाइनल में पहुंचने में सफल रही। फाइनल मे जुवेंटस का सामना नपोली से होगा। रोनाल्डो क्लब और देश के लिए अब तक 29 खिताब जीत चुके है और 30वें खिताब के लिए खुद को प्रेरित करने की कोशिश करेंगे। जुवेंटस के कोच मारिजियो सारी ने कहा, 'वह सिर्फ एक पेनल्टी को गोल करने में विफल रहे।यह दुर्भाग्यशाली था, शायद इसकी वजह से उन्होंने थोड़ा संघर्ष किया। यह दुर्भाग्यशाली था, शायद इसकी वजह से उन्होंने थोड़ा संघर्ष किया। कोच ने कहा, 'वह कमाल के खिलाड़ी है और अग्रिम पंक्ति में कही से भी खेल सकते है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन बोले

कोरोना के कारण 16 टीमों को एक जगह लाना चुनौती, कई देशों में संक्रमण बढ़ रहा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन अर्ल एडिंग्स ने कहा कि इस साल टी-20 वर्ल्ड कप होना बेहद मुश्किल है। एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में एडिंग्स ने मंगलवार को कहा कि कोरोनावायरस से पूरी दुनिया जूझ रही है। ऐसे में 16 देशों की टीमों को वर्ल्ड कप के लिए एक जगह लाना चुनौती होगी। ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में इस साल टी-20 वर्ल्ड कप 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होना है। टूर्नामेंट को लेकर अगले महीने होने वाली इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की बैठक में फैसला लिया जाएगा। एडिंग्स ने कहा, ''इस साल यह (वर्ल्ड कप) मुश्किल लग रहा है। हालांकि, अभी टूर्नामेंट के टलने या रद्द होने की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। हम 16 देशों की टीमों को ऑस्ट्रेलिया लाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। अब भी कई देश ऐसे हैं, जहां कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में वर्ल्ड कप होना मुश्किल है।'' अगर इस साल टी-20 वर्ल्ड कप टला, तो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) उसकी जगह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) करा सकता है। फिलहाल, कोरोना के कारण आईपीएल पहले ही अनिश्चितकाल के लिए टाला जा चुका है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, ''यदि टी-20 वर्ल्ड कप टलता है, तो उस खाली विंडो में आईपीएल को कराया जा सकता है। साथ ही वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया में भारत के साथ होने वाली 3 टी-20 सीरीज को भी री-शेड्यूल किया जा सकता है। ये टी-20 दिसंबर में टेस्ट सीरीज से पहले या फिर जनवरी में वनडे के बाद कराए जा सकते हैं।'' ऑस्ट्रेलिया से बाहर वर्ल्ड कप कराए जाने पर न्यूजीलैंड के खेल मंत्री ग्रांट रॉबर्ट्सन ने कहा कि यह फैसला आईसीसी को ही करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण न्यूजीलैंड में बाहरी लोगों का आना मना है। ऐसे में न्यूजीलैंड में क्रिकेट टूर्नामेंट होने को लेकर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। हालांकि, अगले साल 6 फरवरी से 7 मार्च तक न्यूजीलैंड में महिला वनडे वर्ल्ड कप होना है। इसकी तैयारियां जारी हैं। प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने देश में खेलों की वापसी को लेकर 12 जून को अहम घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि अगले महीने से 25त्न दर्शकों को स्टेडियम में आने की इजाजत होगी। इस फैसले के बाद टी-20 वर्ल्ड कप होने की उम्मीदें बढ़ गई थीं, लेकिन एडिंग्स के बयान ने फिर सस्पेंस बढ़ा दिया है। आईसीसी के सीईओ मनु साहनी ने 10 जून को हुई बैठक के बाद कहा था- हमें टूर्नामेंट पर फैसला करने के लिए केवल एक मौका मिलेगा। हम अपने सदस्यों, ब्रॉडकास्टर्स, सरकारों और खिलाड़ियों से सलाह लेना जारी रखेंग।

संक्षिप्त समाचार

एड्रिया टूर टूर्नामेंट: टेनिस की वापसी पर डोमिनिक थिएम ने जीती ट्रॉफी

बेलग्राद। कोरोना वायरस के जारी कहर के बीच टेनिस की वापसी पर विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम ने फिलिप क्राजिनोविच को बेलग्राद में एड्रिया टूर टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम मैच में रविवार को 4-3 (7-2), 2-4, 4-2 से हराकर खिताब जीत लिया। थिएम और विश्व के 32 वें नंबर के खिलाड़ी क्राजिनोविच के बीच मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा। थिएम ने पहला सेट टाई ब्रेक में जीता लेकिन दूसरे सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद यह सेट गंवा बैठे। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने इस दो दिवसीय चैरिटी टूर्नामेंट का आयोजन किया है। हालांकि एड्रिया टूर के मोंटेनेग्रो में 27-28 जून को होने वाला तीसरा चरण कोरोना के कारण रद्द कर दिया गया है। एड्रिया टूर का दूसरा चरण क्रोएशिया के तटीय शहर जदर में 20-21 जून को और अंतिम चरण बोस्निया के बांजा लूका में 3-4 जुलाई को होगा। जोकोविच अपने ग्रुप में क्राजिनोविच के हाथों 1-2 की हार के कारण फाइनल में नहीं पहुंच पाए। वह ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे।

सिर्फ एक्सपर्ट की सलाह मानता हूं : रेसलर बजरंग पूनिया

चंडीगढ़। कोरोनावायरस के कारण ओलिंपिक सहित दुनियाभर के कई मेगा इवेंट स्थगित या कैंसिल हो चुके हैं। भारत में भी अनलॉक-1 शुरू हो चुका है। खेल मंत्रालय ने स्टेडियम खोलने की अनुमति दे दी है। कुछ खिलाड़ी ट्रेनिंग शुरू कर चुके हैं। ओलिंपिक क्वालिफाई कर चुके खिलाड़ियों ने अगले साल के टोक्यो गेम्स के लिए नए सिरे से तैयारी शुरू कर दी है। इसमें पहलवान बजरंग पूनिया भी शामिल हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप में तीन मेडल जीत चुके बजरंग घर पर ही ट्रेनिंग कर रहे हैं। वे कहते हैं, मैं सोशल मीडिया की दी जानकारी को फॉलो नहीं करता। मैं सिर्फ सरकार और एक्सपर्ट के आदेश ही मानता हूं। सवाल: लॉकडाउन में कैसे तैयारी की? रूटीन कैसा रहा? फिटनेस और गेम पर क्या असर पड़ा? जवाब: मुझे ज्यादा परेशानी नहीं हुई। मैंने घर पर ही एक मैट और कुछ जिम इक्विपमेंट्स का इंतजाम कर लिया था। उससे मुझे ट्रेनिंग करने में काफी मदद मिली। मेरा ट्रेनिंग पार्टनर और फिजियो मेरे साथ थे, इसलिए मेरी ट्रेनिंग लगातार जारी रही। सवाल: खेल मंत्री ने कहा कि 6 से 10 मेडल आ सकते हैं। आप कितने मेडल की उम्मीद कर रहे हैं? जवाब: उम्मीद तो सभी को है कि इस मेडल टैली में अधिक से अधिक मेडल होंगे। मुझे भी ऐसी ही उम्मीद है क्योंकि सरकार ने खिलाड़ियों को काफी सपोर्ट किया है।

मैनेजर कीक सेतियन बोले- बगैर दर्शकों के खेलने से फुटबॉल अपना रोमांच खो देगा

मेलबोर्न । कोरोनावायरस के बीच दुनियाभर में ज्यादातर फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू होने लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया की ए लीग भी 16 जुलाई से मेलबर्न के डर्बी में शुरू होगी। इसके बाद 28 में 27 मैच खेले जाएंगे। फुटबॉल फेडरेशन ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। पहला मैच विक्ट्री और वेस्ट यूनाइटेड के बीच खेला जाएगा। दुनियाभर में दूसरी सबसे बड़ी स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा और फ्रांस की बुंदेसलिगा समेत ज्यादातर टूर्नामेंट बगैर दर्शकों के ही खेले जा रहे हैं। इस पर स्पेन के फुटबॉल क्लब बर्सिलोना के मैनेजर कीक सेतियन ने कहा कि खाली स्टेडियम में खेलने पर फुटबॉल अपना रोमांच खो देगा। कोरोना के बीच ला लिगा 3 महीने बाद 11 जून से बगैर दर्शकों के खेली जा रही है। सीजन के फिर से शुरू होने के बाद बार्सिलोना ने पहले ही मैच में मालोर्का को 4-0 से हरा दिया। गोआल डॉट.कॉम ने सेतियन के हवाले से कहा, ''हम फैन्स के सपोर्ट के साथ खेलना चाहते हैं, लेकिन हम जानते हैं कि यह संभव नहीं है। हमें इन हालात को मानना ही पड़ेगा। बगैर दर्शकों के फुटबॉल अपना रोमांच खो देगा।'' कोरोना के कारण ए-लीग को मार्च में रोक दिया था। सोमवार को ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल एसोसिएशन (एफएफए), ए-लीग क्लबों और खिलाड़ियों की यूनियन ऑस्ट्रेलियाई प्रोफेशनल्स फुटबॉलर्स के बीच कॉन्ट्रेक्ट हुआ। साथ ही सभी फेडरेशन लीग को 31 अगस्त तक टालने पर सहमत हो गए थे।

विराट की बेजोड़ फिटनेस उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग करती है: गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर ने मौजूदा भारतीय क्रिकेट कप्तान विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा है कि उनकी फिटनेस बेजोड़ है और यही बात उनको बाकी खिलाड़ियों से अलग करती है। स्टॉर स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टड' में पूर्व भारतीय ओपनर गंभीर ने विराट की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा, विराट हमेशा से बहुत ही स्मार्ट क्रिकेटर रहे हैं और उन्होंने केवल अपनी फिटनेस के दम पर पूरे टी-20 करियर को सफल बनाया है। उनके पास शायद क्रिस गेल जैसी ताकत न हो, एबी डिविलियर्स जैसी असीम क्षमता न हो और संभव है कि उनके पास जैक्स कैलिस या ब्रायन लारा जैसा कौशल न हो। उनकी सबसे बड़ी ताकत फिटनेस है जिसके कारण वह इतने सफल हो पाए हैं। सबसे महत्वपूर्ण उनका 'विकेटों के बीच दौड़' है जिसमें वह काफी लोगों से आगे हैं।÷गंभीर ने विराट की बल्लेबाजी शैली पर कहा, मुझे लगता है कि लोग अक्सर टी-20 क्रिकेट में भूल जाते हैं और डॉट बॉल को पर्याप्त महत्व नहीं देते हैं। यदि आप कम डॉट बॉल खेलते हैं तो आप हमेशा कम दबाव में रहते हैं और आप स्ट्राइक रोटेट कर सकते हैं और हर बॉल पर सिंगल ले सकते हैं। क्रिकेट में सबसे आसान काम छक्का या चौका लगाना है, क्योंकि उसमें आप एक जोखिम भरा शॉट खेल रहे हैं। अगर वह सही से टाइम हुआ तो हर कोई आपको सराहेगा लेकिन अगर वहीं उसमें कुछ गड़बड़ी हुई तो अगले पल आप सीधे पवेलियन में होंगे।

लेकिन इस दौर में विश्व क्रिकेट में बहुत कम क्रिकेटर हैं जो हर गेंद पर रन बना सकें और विराट इस मामले में बेहतर और बाकियों से अलग हैं। गंभीर ने कहा, आप रोहित शर्मा को देखिए शायद उनके पास स्ट्राइक रोटेट करने वाला वह गुण नहीं है जो कोहली के पास है। रोहित उन बड़े शॉट्स को हिट करने की क्षमता रखते हैं लेकिन रोहित की तुलना में विराट अधिक निरंतर हैं।

निक हॉकली क्रिकेट ऑस्ट्रेलियाई के अंतरिम सीईओ नियुक्त

मेलबोर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने केविन रॉबर्ट्स की जगह निक हॉकली को अपना अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। हॉकली वर्तमान में आईसीसी टी20 विश्वकप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं और उन्होंने इस वर्ष की शुरुआत में हुए टी-20 महिला विश्व कप के आयोजन की देखरेख की थी। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल अक्टूबर-नवम्बर में टी-20 पुरुष विश्व कप की मेजबानी करनी है।रविवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड के सदस्यों की एक आपातकालीन बैठक हुई थी जिसमें केविन को हटाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया था। सीईओ के पद से हटाए गए रॉबर्टस ने कहा, यह मेरे लिये सौभाग्य की बात है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ के रूप में मैंने उस खेल का नेतृत्व और सेवा की जिससे मुझे काफी लगाव है। रॉबर्ट्स ने कहा, हमारी टीम के कर्मचारी और खिलाड़ी बेहतरीन रहे और उन्होंने इस खेल के प्रति काफी योगदान दिया जिस पर मुझे काफी गर्व है कि हमने साथ मिलकर बहुत कुछ हासिल किया। हमारे खेल का अभिन्न अंग रहे दुनिया भर के वालिंटयरों का मैं धन्यवाद करता हूं जिन्होंने बच्चों को इस खेल का अनुभव सिखाने और हमारी राष्ट्रीय टीमों में अपने हीरो का अनुकरण करने के सपने देखने के काबिल बनाया। मैं क्रिकेट समुदाय के एक आजीवन सदस्य के रूप में इस खेल के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। सीए के अध्यक्ष अर्ल एडिंग्स ने रॉबर्टस को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद किया। इसके साथ ही यह भी कहा कि बोर्ड उनकी जगह एक उपयुक्त उम्मीदवार की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खोज करेगा।एडिंग्स ने कहा, केविन ने वर्ष 2018 में कठिन परिस्थितियों में इस भूमिका को निभाया और विशेष रूप से पिछले कुछ महीनों की चुनौतियों के दौरान बेजोड़ प्रयास किया। वह उसूलों वाले इंसान उसूलों वाले इंसान हैं जिन्होंने क्रिकेट को हमेशा पहली प्राथमिकता दी। हम उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा, वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण अन्य खेलों की भांति क्रिकेट भी महत्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है।

ओलम्पिक रद्द करने के बजाये एक और स्थगन हो सकता है विकल्प

टोक्यो (एजेंसी) ।

टोक्यो 2020 के बोर्ड सदस्य हारुयुकि ताकाहाशी ने कहा है कि यदि कोरोना वायरस महामारी की स्थिति में सुधार नहीं होता है तो पहले से ही स्थगित ओलम्पिक को रद्द करने के बजाए इसे फिर स्थगित करना एक और विकल्प हो सकता है।जापानी मीडिया ने यह खबर दी है। जापानी सरकार और अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) ने कोरोना के कारण मार्च में ओलम्पिक को जुलाई 2021 तक स्थगित करने का फैसला किया था। टोक्यो ओलम्पिक इस साल 24 जुलाई से शुरू होने थे लेकिन इनका आयोजन 23 जुलाई 2021 से किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष थामस बाक ने कहा है कि यदि ओलम्पिक अगले साल नहीं हो पाते हैं तो इन्हें रद्द कर दिया जाएगा। लेकिन ताकाहाशी का कहना है कि इन खेलों को रद्द करने का बड़ा आर्थिक प्रभाव पड़ेगा। ताकाहाशी ने कहा, खेलों को रद्द करने का जापान और विश्व अर्धव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ेगा और खेलों को रद्द करने से पहले इन्हें एक और बार स्थगित करने पर विचार किया जा सकता है। टोक्यो 2020 के अध्यक्ष योशिरो मोरी ने आयोजन समिति के कार्यकारी बोर्ड की शुक्रवार को हुई बैठक में कहा था कि खेलों को रद्द करने के बारे में आईओसी से कोई विचार नहीं किया गया है।

भारत का ऐसा क्रिकेटर जो अचानक घर से हो गया गायब, बनाया था यह रिकॉर्ड

जालन्धर (एजेंसी)।

टीम इंडिया में कई ऐसे क्रिकेटर हैं जो कि क्रिकेट के साथ टेनिस खेलना भी पसंद करते हैं। सचिन-धोनी को हमने कई बार टेनिस कोर्ट पर पसीना बहाते हुए भी देखा है लेकिन क्या आपको पता है कि आज ही के दिन 1896 में जन्मे भारतीय बल्लेबाज कार्टर रामास्वामी ऐसे पहले क्रिकेटर हैं जोकि टीम इंडिया में डैब्यू करने से पहले टेनिस के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट डेविस कप में भी खेल चुके हैं। रामास्वामी का टेस्ट डैब्यू 1936 में हुआ था लेकिन 1922 में ही वह इंडिया की तरफ से इंटरनेशनल टेनिस मैच खेल चके थे। रामास्वामी ने जब टेस्ट डेब्य किया तब उनकी उम्र 40 साल, 37 दिन थी। वह भारत की ओर से सबसे ज्यादा उम्र में डैब्यू करने वाले दूसरे क्रिकेटर थे। टैस्ट क्रिकेट में जगह पाने के लिए उन्होंने घरेलू क्रिकेट के एक सीजन में 737 रन बनाए थे। उस समय विजय मर्चेंट, मुश्ताक अली और सीके नायुडू से ही वह आगे निकल गए थे। उनकी इसी खूबी के चलते उन्हें टेस्ट क्रिकेट में जगह मिली। काफी लेट टैस्ट डैब्यू होने के कारण रामास्वामी सिर्फ दो ही टैस्ट खेल पाए थे। ओल्ड ट्रैफफोर्ड के मैदान पर इंगलैंड के खिलाफ दसरे टैस्ट में उन्होंने डैब्य किया। रामास्वामी ने दोनों पारियों में 40 और 60 रन बनाए और भारत के लिए मैच ड्रा करवाया। इसके बाद ओवल के मैदान पर खेले गए टेस्ट में उन्होंने 29 और नाबाद 41 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 2 टेस्ट में 56 की औसत से 170 रन बनाए। रामास्वामी उन चुनिंदा क्रिकेटरों में से एक थे जोकि क्रिकेट के साथ टेनिस खेलने में भी मुहारत रखते थे। रामास्वामी के नाम रिकॉर्ड है कि उन्होंने 1920 में भारतीय टीम की ओर से टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक डेविस कप में भी हिस्सा लिया था। रामास्वामी मद्रास के रहने वाले थे।

कहा जाता है कि जीवन के आखिर समय में वह घर से गायब हो गए थे। रामास्वामी को उनके घर वालों ने बहुत ढूंढा लेकिन उनका पता नहीं चल पाया। आखिरकार उन्हें मृतक मान लिया गया। I था जो खेल में पॉलीटिक्स का शिकार होने के चलते आगे नहीं बढ़ पाता। आखिर यह क्रिकेटर एक बच्चे (अली) को कोचिंग देता है। फिल्म में अली का किरदार दिग्विजय देखमुख ने निभाया था जिसे पिछले साल ही आईपीएल बोली में मुंबई इंडियंस ने खरीदा था।

पीएम मोदी बोले-अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने के संकेत दिखने लगे हैं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कोरोना वायरस के संक्रमण पर अंकुश लगाने पर जोर देते हुए आज कहा कि जितनी हम इसमें सफलता हासिल करेंगे उतनी ही अधिक हमारी अर्थव्यवस्था खुलेगी और रोजगार के अवसर बढेंगे। कोरोना महामारी के कारण देश भर में लागू पूर्णबंदी के पांचवें चरण में दी गयी रियायतों और छूट के बाद लोगों के काम धंधों के लिए घरों से बाहर आने के साथ ही देश भर में संक्रमण के मामलों में तेजी के बीच 21 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से संवाद के पहले चरण में मोदी ने यह बात कही। कोरोना महामारी के बाद मोदी की मुख्यमंत्रियों के साथ यह छठी बैठक है। बैठक शुरू होने से पहले उन्होंने मुख्यमंत्रियों के सामने अपनी बात रखी और स्थिति से निपटने तथा अर्थव्यवस्था को आगे बढाने के बारे में सुझाव देने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब देश खुल चुका है और लोगों की मेहनत से जीवन पटरी पर लौट रहा है लेकिन हमें अत्यंत अधिक सर्तक रहने की जरूरत है क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही हमारी पिछले दो तीन महीनों की तपस्या और मेहनत पर पानी फेर सकती है। उन्होंने कहा कि अनलॉक वन का सबसे बड़ा सबक यही है कि यदि हम नियम और अनुशासन का पालन करेंगे ताक कोरोना संकट से कम से कम नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि चेहरे पर मास्क और दो गज की दूरी के नियम का सख्ती से पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा , '' हमें इस बात का हमेशा ध्यान रखना है कि हम कोरोना को जितना रोक पाएंगे, उसका बढ़ना जितना रोक पाएंगे, उतना ही हमारी अर्थव्यवस्था खुलेगी, हमारे दफ्तर खुलेंगे, मार्केट खुलेंगे, ट्रांसपोर्ट के साधन खुलेंगे, और उतने ही रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। मोदी ने कहा कि भविष्य में जब कभी भारत की कोरोना के खिलाफ लड़ाई का अध्ययन होगा, तो ये दौर इसलिए भी याद किया जाएगा कि कैसे इस दौरान हमने साथ मिलकर काम किया और सहकारी संघवाद का सर्वोत्तम उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा , '' दुनिया के बड़े-बड़े विशेषज्ञ, स्वास्थ्य के जानकार, लॉकडाउन और भारत के लोगों द्वारा दिखाए गए अनुशासन की आज चर्चा कर रहे हैं। आज भारत में रिकवरी रेट 50 प्रतिशत से ऊपर है। आज भारत दुनिया के उन देशों में अग्रणी है जहां कोरोना संक्रमित मरीज़ों का जीवन बच रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी पर राहुल गांधी ने साधा निशाना, कहा- कोरोना ने खोल दी गुजरात मॉडल की पोल

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर 'गुजरात मॉडल को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के कारण सबसे ज्यादा मृत्यु दर के आंकड़े ने गुजरात मॉडल की पोल खोली है। राहुल गांधी ने गुजरात में कोविड-19 के मामलों में दूसरे राज्यों के मुकाबले मृत्यु दर ज्यादा होने को लेकर दावा किया कि संकट के इस समय 'गुजरात मॉडल बेनकाब हो गया है। उन्होंने गुजरात की तुलना कांग्रेस शासित प्रदेशों से करते हुए ट्वीट किया कि कोविड-19 के मामलों में मृत्यु दर गुजरात में 6.25 फीसदी, महाराष्ट्र में 3.73 फीसदी, राजस्थान में 2.32 फीसदी, पंजाब में 2.17 फीसदी, पुडुचेरी में 1.98 फीसदी, झारखंड में 0.5 फीसदी और छत्तीसगढ़ में 0.35 फीसदी है। गुजरात के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में सोमवार को कोविड-19 के 514 नये मामले आने के साथ कुल संक्रमितों की संख्या 24,104 हो गई। वहीं, कोविड-19 से 28 और लोगों की मौत होने के साथ राज्य में अब तक कुल 1,506 लोग इस महामारी में अपनी जान गंवा चुके हैं।

दिग्गी-शिवराज में बढ़ी रार, बोले- उसी थाने में एफआईआर होगी जिसमें मेरे खिलाफ बीजेपी ने कराई थी

भोपाल। मध्य प्रदेश में इन दिनों शिवराज सिंह चौहान की वायरल फर्जी वीडियो को लेकर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और सीएम चौहान के बीच ठन गई है। दोनों ही एक दूसरे पर आक्रामक हो गए हैं। फर्जी वीडियो को लेकर बीते दिनों दिग्विजय सिंह पर स्नढ्ढक्र हुई और अब कांग्रेस नेता पलटवार करने की तैयारी में हैं। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा है कि वह शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ शिकायत करेंगे, ये शिकायत फर्जी वीडियो साझा करने के आरोप में ही होगी। दिग्विजय सिंह ने ट्वीट करते हुए दावा किया कि शिवराज सिंह चौहान ने 2019 में राहुल गांधी को लेकर एक फर्जी वीडियो साझा की थी, एक मुख्यमंत्री होने के नाते वह ऐसा किस तरह कर सकते हैं। अब दिग्विजय का कहना है कि जिस थाने में मेरे खिलाफ दर्ज की गई थी, मैं भी उसी थाने में जाऊंगा। वहीं इससे पहले एक अन्य ट्वीट करते हुए दिग्विजय सिंह ने आक्रामक रुख अपनाते हुए शिवराज सिंह को घोटालों का सरदार बताया और कहा कि सीएम के हम में कई घोटाले शामिल हैं, जिनमें भूमाफिया, रेत माफिया, मिलावट माफिया, व्यापम के अपराधी, खनिज माफिया आदि। दिग्विजय सिंह ने ट्वीट में राहुल गांधी का एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी अपने भाषण में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ का नाम भूल जाते हैं, लेकिन ये वीडियो एडिट हुआ था। अब दिग्विजय इस वीडियो को लेकर शिवराज के खिलाफ एफआईआर करने की बात कर रहे हैं । आपको बता दें कि बीते दिनों दिग्विजय सिंह ने शिवराज सिंह चौहान का एक वीडियो शेयर किया था।

मोदी ने कहा- भारत के लॉकडाउन और अनुशासन की दुनिया में चर्चा

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 21 राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उप राज्यपालों से कोरोना के हालातों पर चर्चा कर रहे हैं। अपने 15 मिनट के ओपनिंग कमेंट्स में मोदी ने कोरोना से लड़ाई में केंद्र सरकार के कदम, राज्यों के सहयोग, कोरोना से बचाव के तरीकों, लॉकडाउन के असर, अनलॉक-1, इकोनॉमी और रिफॉर्म्स की बात की। मोदी ने कहा कि दुनिया के बड़े-बड़े एक्सपर्ट हमारे लॉकडाउन और अनुशासन की चर्चा कर रहे हैं। देश में रिकवरी रेट 50त्न से ऊपर चला गया है। भारत दुनिया के उन देशों में अग्रणी है, जहां संक्रमितों का जीवन बच रहा है। मोदी ने कहा कि हमारी जनसंख्या के मुकाबले कोरोना उतना विनाश नहीं दिखा पाया, जितनी आफत दुनिया के और देशों में आई। भविष्य में जब कभी कोरोना के खिलाफ भारत की लड़ाई का अध्ययन होगा, तो ये दौर इसलिए भी याद किया जाएगा कि कैसे इस दौरान हमने साथ मिलकर काम किया, को-ऑपरेटिव फेडरलिज्म का सबसे अच्छा उदाहरण पेश किया। हमारे लिए किसी एक भारतीय की मृत्यु भी असहज करने वाली है। भारत दुनिया के उन देशों में है जहां कोरोना से सबसे कम मौतें हो रही हैं। भारत कोरोना के इस संकट में अपने नुकसान को सीमित करते हुए आगे बढ़ सकता है। अर्थव्यवस्था को तेजी से संभाल सकता है। 2 हफ्ते के अनलॉक-1 में ये सीख मिली है कि हम नियमों का पालन करते रहे तो कोरोना संकट से भारत को कम से कम नुकसान होगा। मास्क या फेस कवर पर बहुत ज्यादा जोर देना जरूरी है। बिना मास्क घर से बाहर निकलने की कल्पना करना भी गलत है। ये जितना खुद के लिए खतरनाक है उतना ही आस-पास के लोगों के लिए। इसलिए दो गज की दूरी की बात हो, हाथ धोने की बात हो या सैनिटाइजेशन की बात हो, ये सभी काम गंभीरता से किए जाने चाहिए। घर के बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए ये बहुत जरूरी हैं। अब तक लगभग सभी ऑफिस खुल चुके हैं। प्राइवेट ऑफिस भी खुल चुके हैं। थोड़ी सी भी लापरवाही, अनुशासन में कमी कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई को कमजोर करेगी और इतने दिन की तपस्या पर पानी फिर जाएगा। हमें इस बात का ध्यान रखना है कि कोरोना को जितना रोक पाएंगे उतना ही हमारी अर्थव्यवस्था खुलेगी, दफ्तर खुलेंगे, ट्रांसपोर्ट के साधन खुलेंगे और उतने ही रोजगार के साधन बढ़ेंगे। आने वाले दिनों में जिस तरह से इकोनॉमी का विस्तार होगा, उससे सभी को फायदा होगा। हमारी अर्थव्यवस्था में ग्रीन शूट दिखने लगे हैं। पावर कंजम्प्शन बढ़ने लगा है। मई में फर्टिलाइजर की सेल दोगुनी हुई है। खरीफ की बुवाई इस साल 12-13त्न ज्यादा हुई। वाहनों का प्रोडक्शन लॉकडाउन से पहले के 70त्न के लेवल पर पहुंच चुका है। लगातार तीन महीने में एक्सपोर्ट में कमी के बाद जून में फिर से बढ़कर पिछले साल के स्तर पर पहुंच गया है। ये सभी हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

चीन की हिमाकत पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की हाईलेवल मीटिंग, मोदी को दी जानकारी

नई दिल्ली।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत और चीन सीमा पर पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में दोनों सेनाओं के जवानों के बीच हिंसक झड़प के कारण बनी तनातनी पर पर आज शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ लगातार दो बैठकों में चर्चा की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी स्थिति से अवगत कराया। इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, सीडीएस जनरल विपिन रावत और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद रहे। यह बैठक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के घर पर हुई। सेना ने आज एक बयान जारी कर कहा था कि पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में दोनों सेनाओं के जवानों के बीच हुई हिंसक झड़प में एक अधिकारी और दो जवान शहीद हो गये। सेना ने यह भी कहा है कि झड़प में चीनी सेना के जवान भी हताहत हुए हैं लेकिन इसकी संख्या नहीं बताई गई है। सेना की ओर से यह भी साफ किया गया कि झडप के दौरान फायरिंग नहीं हुई और स्थिति को सामान्य बनाने के लिए दोनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बातचीत चल रही है। इसके तुरंत बाद सिंह ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की मौजूदगी में चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ लगभग एक घंटे चली बैठक में घटना की विस्तार से जानकारी ली और स्थिति की समीक्षा की। बैठक में मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए रणनीति और आगे उठाये जाने वाले कदमों पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक में मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए रणनीति और आगे उठाये जाने वाले कदमों पर भी विचार विमर्श किया गया। आगे उठाये जाने वाले कदमों पर भी विचार विमर्श किया गया। बाद में सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को भी घटना की विस्तार से जानकारी दी और मौजूदा स्थिति पर उनके साथ भी चर्चा की।

रक्षा मंत्री ने इसके बाद शाम को एक बार फिर अपने निवास पर सेना के शीर्ष नेतृत्व को बैठक के लिए बुलाया। जनरल रावत और सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे तथा अन्य अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर इस झड़प के बाद की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।

सोनिया ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतें वापस लेने की मांग की

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से जुड़े फैसले को 'असंवेदनशील करार देते हुए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि कोरोना महामारी के समय लोगों की परेशानी को बढ़ाने वाली इस वृद्धि को वापस लिया जाए। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने यह भी कहा कि सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ाकर 2,60,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व जुटाने का प्रयास कर रही है, लेकिन जब प्रधानमंत्री देश के लोगों के आत्मनिर्भर होने की उम्मीद करते हैं तो ऐसे संकट के समय लोगों पर वित्तीय बोझ डालना उचित नहीं है। सोनिया ने कहा, ''मौजूदा कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई के दौरान भारत को स्वास्थ्य संबंधी, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। मुझे इस बात की पीड़ा है कि ऐसे मुश्किल समय में सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने का असंवेदनशील निर्णय लिया। उनके मुताबिक ऐसे समय सरकार के इस फैसले का कोई औचित्य समझ नहीं आता जब देश के करोड़ों लोगों की नौकरियां चली गई हैं, उनके सामने जीविका का संकट खड़ा है, छोटे, मध्यम एवं बड़े कारोबार बंद हो रहे हैं और किसानों को भी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि पिछले कुछ दिनों के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में करीब नौ फीसदी की कमी आई, लेकिन सरकार मुश्किल के समय लोगों को इसका लाभ देने के लिए कुछ नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, ''मैं आपसे आग्रह करती हूं कि बढ़ोतरी को वापस लिया जाए ।

कोरोना संकट में सराहनीय कार्य कर रही धमोर की महिला सरपंच शिल्पा

साम्बा । कोविड-19 संकट के दौरान विजयपुर ब्लॉक की धमोर पंचायत की महिला सरपंच एवं भाजपा महिला मोर्चा की नवनियुक्त जिला महासचिव शिल्पा दुबे सराहनीय कार्य कर रही हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय पीएमओ राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के जम्मू कार्यालय में उनके पी.आर.ओ. संजीव शर्मा ने आज धमोर पंचायत का दौरा किया व सरपंच द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए सरपंच शिल्पा दुबे को उनकी पंचायत में गरीबों में बांटने के लिए सेनिटाइजर व साबुन भेंट किए। इसके साथ ही मोदी-2 का एक वर्ष पूरा होने पर समाज में हुए विकास कार्यों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सरपंच शिल्पा दुबे ने भाजपा पर आभार व्यक्त करते हुए ।

पाक ने कश्मीर का जिक्र किया तो जवाब में भारत ने बलूचिस्तान का मसला उठाया, कहा- अपने गिरेबां में झांकें

जेनेवा।

भारत ने पाकिस्तान की ओर संयुक्त मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में कश्मीर का मुद्दा उठाने पर चिंता जताई है। सोमवार को पाकिस्तान ने जेनेवा में चल रहे यूएनएचआरसी के 43वें सत्र में कश्मीर का मुद्दा उठाया। भारत के स्थाई प्रतिनिधि सेंथिल कुमार ने इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को किसी पर आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। वह किसी को अनचाही सलाह देने से पहले अपने देश में होने वाले मानवाधिकार हनन पर गौर करे। भारत ने यूनएचआरसी में कहा कि पाकिस्तान मानवाधिकार के इस वैश्विक फोरम और इसकी प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल कर रहा है। पाकिस्तान दक्षिण एशिया का इकलौता ऐसा देश है, जहां पर सरकार नरसंहार करवाती है। दूसरे देशों पर आरोप लगाना इसकी गुस्ताखी है। भारत ने कहा कि बलूचिस्तान में बड़े पैमाने पर लोगों के साथ जुल्म हो रहा है। यहां पर सरकार की ओर से हिंसा की जा रही है। लोग एक साथ जगह छोड़ने के लिए मजबूर किए जा रहे हैं। मिलिट्री कैम्प्स और डिटेंशन सेंटर काम कर रहे हैं। कोर्ट में लंबित मामलों से जुड़े लोगों की हत्याएं की जा रही हैं। इन सबके बावजूद इसकी ओर से भारत पर आरोप लगाना चिंता की बात है। सेंथिल कुमार ने कहा कि पिछले साल अगस्त में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का कोई बाहरी असर नहीं हुआ है।

लोगों ने कश्मीर में शांति व्यवस्था बिगाड़ने की पाकिस्तान की कोशिशों के खिलाफ रैलियां की थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान में मानवाधिकार हनन का ट्रैक रिकॉर्ड बरकरार है। उन्होंने कहा- एक ऐसे देश के आरोपों पर भरोसा कैसे किया जा सकता है जिसका इतिहास धार्मिक कट्टरता, खूनखराबे और हत्याओं से भरा पड़ा हो। सत्ता पलटने और कठपुतली सरकार चलाने की कई घटनाएं सामने आई है।

चक्रवात अम्फान ने छीनी करीब 18,000 मधुमक्खी पालकों की रोजी रोटी

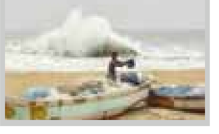

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के सात जिलों में खेतों और मधुमक्खी कॉलोनियों के चक्रवात अम्फान के कारण नष्ट होने के कारण करीब 18,000 मधुमक्खी पालक बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। पश्चिम बंगाल मधुमक्खी पालन संघ के महासचिव तरुण हलदर ने बताया कि केन्द्र या राज्य सरकार की ओर से कोई आर्थिक मदद नहीं की गई है और उनमें से कई को फिर अपने पैरों पर खड़े होने में दिक्कत आ रही है। हलदर ने कहा, सात जिलों में करीब 18,000 मधुमक्खी पालक हमारे सदस्य हैं, जो कि चक्रवात अम्फान से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। मधुमक्खी कॉलोनी नष्ट हो गई हैं। उत्तर-24 परगना,दक्षिण-24 परगना और नादिया के मधुमक्खी पालक सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। मधुमक्खी पालकों की रोजी रोटी छिन गयी है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक आकलन के अनुसार उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलों में 14-14 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। नादिया में 10 लाख रुपये से अधिक का नुकसान होने की आशंका है। बंगाल हर साल 25,000 एमटी शहद का उत्पादन करता है। चक्रवात अम्फान के कारण यहां पिछले महीने करीब 100 लोगों की जान गई थी और भारी तबाही भी मची थी।

भ्रष्टाचार के खिलाफ काठमांडू में सड़कों पर उतरे छात्र, नेपाल सरकार का किया विरोध

इंटरनेशलनल डेस्क।

कोरोना वायरस महामारी का कहर पूरी दुनिया में फैला हुआ है। भारत का पड़ोसी देश नेपाल भी इससे अछूता नहीं रहा। नेपाल में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और ओली सरकार कोरोना वायरस से निपटने में नाकाम साबित हो रही है। दूसरी ओर नेपाल सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लग रहे हैं। ऐसे में सोमवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू में करीब 500 छात्रों ने भ्रष्टाचार और कोविड19 से निपटने में फेल नेपाल सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। नेपाल में कोरोना वायरस के 450 से ज्यादा नए मामले सामने आने के साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या 6000 के पार पहुंच गई जिसके बाद सरकार ने देश में तीन और हफ्तों के लिये घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन पर रोक लगा दी। नेपाल के नागर विमानन प्राधिकरण (सीएएएन) के मुताबिक, मंत्री परिषद द्वारा लिये गए फैसले के तहत सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री उड़ानों के संचालन पर रोक को पांच जुलाई तक बढ़ा दिया गया है। सीएएएन ने एक बयान में कहा, फंसे हुए लोगों की वापसी, राहत मिशन, मालवाहक उड़ानों और चिकित्सा व अन्य आवश्यक सामग्री आपूर्ति संबंधी उड़ानों के संचालन के लिये सीएएएन से इस संदर्भ में विशेष अनुमति लेनी होगी। कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर किराये पर लिये विमानों की विशेष उड़ानों को छोड़कर अन्य सभी उड़ानों को ऐहतियातन रोक दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि नेपाल में कोरोना वायरस संक्रमण के सोमवार को 451 नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 6,211 पहुंच गई। मंत्रालय ने कहा कि इस दौरान 67 मरीजों को ठीक होने के बाद छुट्टी दे दी गई ।

भारत ने 2019 में बढ़ाया परमाणु जखीरा लेकिन चीन, पाक से कम हैं हथियार : सिपरी रिपोर्ट

लंदन। भारत ने पिछले साल 10 हथियार जोड़ कर अपने परमाणु शस्त्रागार संवर्धित किया लेकिन पास चीन और पाकिस्तान की तुलना में देश के कम हथियार हैं। स्वीडन के एक प्रमुख थिंक टैंक द्वारा सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत और चीन दोनों ने 2019 में अपने परमाणु जखीरे में वृद्धि की। चीन के शस्त्रागार मे जहां कुल 320 हथियार हैं वहीं पाकिस्तान के पास 160 जबकि भारत के पास 150 हथियार हैं। रिपोर्ट में आगाह किया गया, चीन अपने परमाणु शस्त्रागार के महत्त्वपूर्ण आधुनिकीकरण के मध्य में है। वह पहली बार तथाकथित परमाणु त्रय विकसित करने की कोशिश कर रहा है जो भूमि एवं समुद्र आधारित मिसाइल और परमाणु मिसाइल ले जाने में सक्षम विमान से बना हुआ है। भारत और पाकिस्तान अपने परमाणु बलों का आकार एवं विविधिता धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं जबकि उत्तर कोरिया ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के केंद्रीय भाग के रूप में सैन्य परमाणु कार्यक्रम को प्राथमिकता देना जारी रखा है। सिपरी ने अपनी 2019 की रिपोर्ट में कहा था कि चीन के परमाणु जखीरे में 290 हथियार हैं जबकि भारत के पास 130 से 140 के करीब हथियार। पाकिस्तान के परमाणु शस्त्रागार में 150 से 160 हथियार थे जो इस साल के आकलन में भी उतने ही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक तैनात 1,750 परमाणु हथियारों के साथ अमेरिका शीर्ष पर है जिसके पास कुल परमाणु हथियार 5,800 हैं जबकि 1,570 तैनात और कुल 6,375 परमाणु हथियारों के साथ रूस दूसरे नंबर पर है। ब्रिटेन के पास कुल 215 हथियार हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 2020 की शुरुआत में ''नौ परमाणु संपन्न देशों - अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर कोरिया- के पास कुल मिलाकर 13,400 परमाणु हथियार थे। यह 2019 की शुरुआत में इन देशों के पास 13,865 परमाणु हथियार होने के सिपरी के अनुमान से कम है। शस्त्रीकरण, निश्शस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा का आकलन करने वाली सिपरी की वार्षिकी में कहा गया कि परमाणु हथियारों की संख्या में कुल गिरावट के बावजूद परमाण शक्तियां अपने शस्त्रागारों का आधुनिकीकरण कर रही हैं। उसने इसके साथ ही आगाह किया कि तनाव बढ़ रहा है और हथियार नियंत्रण की संभावना ''धूमिल पड़ रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में कोरोना उतना नुकसान नहीं कर पाया, जितनी आफत विदेशों में आई: मोदी

नई दिल्ली(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 21 राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कोरोना के हालात पर चर्चा कर रहे हैं। अपने 15 मिनट के ओपनिंग कमेंट्स में मोदी ने कोरोना से लड़ाई में सरकार के कदम, राज्यों के सहयोग, कोरोना के बचाव के तरीकों, लॉकडाउन के असर, अनलॉक-1, इकोनॉमी और आर्थिक सुधारों की बात की। मोदी ने कहा कि हमारी इतनी जनसंख्या होने के बावजूद भारत में कोरोना उतना विनाश नहीं दिखा पाया, जितनी दुनिया के और देशों में आफत आई। दुनिया के बड़े-बड़े एक्सपर्ट लॉकडाउन और भारत के अनुशासन की चर्चा कर रहे हैं। भारत में रिकवरी रेट 50त्न से ऊपर चला गया है। भारत दुनिया के उन देशों में अग्रणी है, जहां संक्रमितों का जीवन बच रहा है। हमारे लिए किसी एक भारतीय की मृत्यु भी असहज करने वाली है। भारत दुनिया के उन देशों में है जहां कोरोना से सबसे कम मौतें हो रही हैं। भारत कोरोना के इस संकट में अपने नुकसान को सीमित करते हुए आगे बढ़ सकता है। अर्थव्यवस्था को तेजी से संभाल सकता है। 2 हफ्ते के अनलॉक-1 में बड़ा सबक ये दिया है कि हम नियमों का पालन करते रहे तो कोरोना संकट से भारत को कम से कम नुकसान होगा। मास्क या फेस कवर पर बहुत ज्यादा जोर देना जरूरी है। बिना मास्क घर से बाहर निकलने की कल्पना करना भी अभी सही नहीं है। ये जितना खुद के लिए खतरनाक है उतना ही उसके आस-पास के लोगों के लिए। इसलिए दो गज की दूरी की बात हो, हाथ धोने की बात हो, सैनिटाइजर की बात हो, ये सभी गंभीरता से किए जाने चाहिए। घर से बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए ये बहुत जरूरी है। अब तक लगभग सभी ऑफिस खुल चुके हैं। प्राइवेट ऑफिस भी खुल चुके हैं। थोड़ी सी भी लापरवाही, अनुशासन में कमी कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई को कमजोर करेगा और इतने दिन की तपस्या पर पानी फिर जाएगा। हमें इस बात का ध्यान रखना है कि कोरोना को जितना रोक पाएंगे उतना ही हमारी अर्थव्यवस्था खुलेगी, दफ्तर खुलेंगे, ट्रांसपोर्ट के साधन खुलेंगे और उतने ही रोजगार के साधन बढ़ेंगे । आने वाले दिनों में जिस तरह से इकोनॉमी का विस्तार होगा, उससे दूसरे राज्यों को भी फायदा होगा। हमारी अर्थव्यवस्था में ग्रीन शूट दिखने लगे हैं। पावर कंजम्प्शन बढ़ने लगा है। मई में फर्टिलाइजर की सेल दोगुनी हुई है। खरीफ की बुवाई इस साल 12-13त्न ज्यादा हुआ है। वाहनों का प्रोडक्शन लॉकडाउन से पहले के 70त्न के लेवल पर पहुंच चुका है। लगातार तीन महीने में एक्सपोर्ट में कमी के बाद जून में फिर से बढ़कर पिछले साल के प्री-कोविड के स्तर पर पहुंच गया है। ये सभी हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सभी राज्यों में फिशरीज, एमएसएमई का हिस्सा बहुत बड़ा है। इन्हें सपोर्ट करने के लिए अनेक फैसले हाल में लिए गए हैं। एमएसएमई को बैंक से क्रेडिट दिलाने का प्रयास हो रहा है। 100 करोड़ रुपए तक के टर्नओवर वाले कारोबारों को 20त्न अतिरिक्त क्रेडिट का लाभ दिया गया है। ट्रेड और इंडस्ट्री अपनी पुरानी रफ्तार पकड़ सके, इसके लिए वैल्यू चेन पर भी मिलकर काम करना होगा। राज्यों में जहां भी स्पेसिफिक बिजनेस पॉइंट है, वहां 24 घंटे काम हो।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन अस्पताल में भर्ती, केजरीवाल ने की स्वस्थ होने की कामना

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन की कोरोना जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। जैन को तेज बुखार और सांस लेने में तकलीफ पर बीती रात राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराकर ऑक्सीजन पर रखा गया था। उनकी कोरोना जांच के लिए आज नमूना लिया गया जिसकी रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। जैन की हालत स्थिर बताई गई है हालांकि उन्हें अभी बुखार है। सत्येंद्र जैन ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि कल रात तेज बुखार और मेरे ऑक्सीजन स्तर के अचानक गिर जाने की वजह से मुझे आरजीएसएसएच में भर्ती कराया गया है। हर किसी को अपडेट करता रहूंगा। जैन को राजीव गांधी सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल (आरजीएसएसएच) में भर्ती कराया गया है जो दिल्ली सरकार के तहत एक निर्दिष्ट कोविड-19 केंद्र है। केजरीवाल ने जैन के जल्द स्वस्थ. होने की कामना करते हुए ट्वीट किया था कि अपनी सेहत का ख्याल किए बिना आप रात दिन 24 घंटे जनता की सेवा में लगे रहे। अपना ख्याल रखें और जल्द स्वस्थ हों। भारतीय जनता पार्टी नेता कपिल मिश्रा ने भी जैन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

जैन दिल्ली में कोरोना के बिगड़ते हालात पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रविवार को बुलाई उच्च स्तरीय बैठक में शामिल हुए थे। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन, उपराज्यपाल अनिल बैजल, केजरीवाल, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) निदेशक रणदीप गुलेरिया और केंद्र तथा दिल्ली के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मानसिक बीमारी के इलाज के लिए बीमा को लेकर उच्चतम न्यायालय ने केंद्र को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मानसिक रोगियों को भी चिकित्सा बीमा सुविधा देने संबंधी याचिका पर केंद्र सरकार और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) से मंगलवार को जवाब तलब किया। वकील गौरव बंसल की ओर से दायर याचिका में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 2017 की धारा 21 (4) के उल्लंघन का जिक्र करते हुए इस संबंध में दिशानिर्देश जारी करने का न्यायालय से अनुरोध किया गया है। संबंधित धारा के तहत सभी बीमा कंपनियां मानसिक रोगियों के लिए भी चिकित्सा बीमा उपलब्ध कराने के लिए बाध्य हैं। धारा 21(4) में कहा गया है, सभी बीमाकर्ता मानसिक रोग के इलाज के लिए चिकित्सा बीमा उपलब्ध कराने के लिए उसी तरह बाध्य है, जैसे शारीरिक बीमारी के लिए। इसके बावजूद इसका पालन नहीं हो पा रहा है। न्यायमूर्ति रोहिंगटन एफ नरीमन, न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा और न्यायमूर्ति बी आर गवई की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और इरडा को नोटिस जारी किये। न्यायालय ने केंद्र सरकार और बीमा कंपनियों पर निगरानी रखने वाली संस्था इरडा से पूछा है कि आखिर मानसिक रोगियों को बीमा क्यों नहीं दिया जा रहा है? नोटिस के जवाब के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है।

शोपियां मुठभेड़ में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी, ढेर किए 3 आतंकी

नेशनल डेस्क। जम्मू और कश्मीर के शोपियां जिले के तुरकावनगाम लाके में मंगलवार सुबह हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया। सुरक्षा बलों को आतंकियों के इलाके में छिपे होने की सूचना मिली थी। सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने बताया कि शोपियां के तुर्कावंगाम में आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह ने संयुक्त रुप से मंगलवार तड़के तलाशी अभियान चलाया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जब सुरक्षा बल के जवान उस क्षेत्र में गए जहां आतंकवादी छिपे थे उस दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरु कर दी। कालिया ने बताया कि सुरक्षा बलों ने हमले का जवाब दिया और मुठभेड़ शुरु हुई जिसमें तीन आतंकवादी ढेर हो गए। कर्नल कालिया ने कहा कि मुठभेड़ की जगह से दो एके-47 और एक आईएनएसएएस बरामद की गयी है। उन्होंने कहा कि अभियान अभी भी चालू है। बता दें कि जम्मू और कश्मरी में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों द्वारा लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के पुलवामा और कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच शनिवार को मुठभेड़ हुई थी।

पारुल विश्वविद्यालय से 15000 स्टूडेंट्स को मिल चुका प्लेसमेंट, कैम्पस में 18 लाख रहा अधिकतम पैकेज

वडोदरा(एजेंसी)।

गुजरात राज्य के वडोदरा शहर मे स्थित पारुल विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अभी तक आज दिन तक 15000 से ज्यादा विद्यार्थियों को 1500 से अधिक कंपनियों में कैंपस प्लेसमेंट मिला है। 2020 में पास होने वाले 1000 से अधिक विद्यार्थीओ को 400 से ज्यादा कंपनीओ में प्लेसमेन्ट मिला है और 2019 में पास हुए 1500 से ज्यादा विद्यार्थीओ को 600 से अधिक कंपनियों में जॉब मिली है। प्राथमिक पहलू को ध्यान में रखते हुए, पारुल विश्वविद्यालय - देश के सबसे बड़े निजी विश्वविद्यालयों में से एक है, न केवल गुणवत्ता शिक्षा पर जोर देता है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा जो अधिक उद्योग परिभाषित, रोजगारपरक और भविष्यपरक हो। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की प्लेसमेंट के लिए विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण प्लेसमेंट और कैरियर डेवलपमेंट सेल द्वारा अकादमिक डिलिवरेबल्स के साथ औद्योगिक अपेक्षाओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए बनाया गया है। प्रशिक्षण प्लेसमेंट और कैरियर डेवलपमेंट सेल में कार्यों की तीन अलग-अलग रूप में बांटा गया हैं। उद्योग अकादमी सेल, कैरियर डेवलपमेंट सेल और प्लेसमेंट सेल। जिस के चलते प्रति वर्ष विश्वविद्यालय के 100 से ज्यादा विद्यार्थी क्वालिफाइड होते है । यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी फोर्चुन 500 कंपनियों मे अपनी सेवाए दे रहे है ।

इस साल इंजीनियरिंग मे सर्वोत्तम पैकेज 18 लाख और औसतन पैकेज 3.5 लाख, मेनेजमेन्ट में सर्वोत्तम पैकेज 12.4 लाख, औसतन पैकेज 4.5 लाख, सायन्स में सर्वोत्तम पैकेज 6.2 लाख, औसतन पैकेज 2.5 लाख, बीसीए एमसीए में सर्वोत्तम पैकेज 12.4 लाख, औसतन पैकेज 3 लाख, सोशल वर्क मे सर्वोत्तम पैकेज 2.8 लाख रहा था। इसके अलावा, वर्ष 2020 के लिए कैंपस रिक्रूटमेंट प्रोग्राम ने उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में कुछ प्रमुख रिक्रूटर्स को प्रदर्शित किया, जिसके परिणामस्वरूप 1000 छात्रों को 400 से अधिक कंपनियों में रखा गया, जो अभी भी जारी है। वर्ष 2019 का समापन 1500 से अधिक छात्रों के साथ हुआ।

नरोत्तम ने दिग्विजय पर कसा तंज, बोले- बीमारी को खत्म करो बीमार को नहीं

भोपाल(एजेंसी)।

मध्य प्रदेश में शिवराज के फर्जी वायरल वीजियो के बाद बीजेपी नेताओं ने पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय व स्वास्थ्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मांग की है कि दिग्विजय सिंह सार्वजनिक तौर पर सीएम से माफी मांगे और डर्टी पॉलिटिक्स बंद करें। गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दिग्विजय सिंह पर हमलावर होते हुए कहा कि हमे बीमारी से लड़ना है बीमार से नहीं, अपनी गलती छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उनकी गलती पकड़ में आ गई है। पहले तो उन्हें माफी मांगना चाहिए और उन्हें यह डर्टी पॉलिटिक्स बंद करना चाहिए। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने भी दिग्विजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा षडयंत्र करती है। दिग्विजय सिंह जैसे सीनियर लीडर को ऐसे ट्वीट नहीं करना चाहिए। वे सार्वजनिक तौर पर माफी मांगें। साथ ही उन्होंने राज्यसभा चुनाव को लेकर दिग्गी को घेरचे हुए कहा कि फूल सिंह बरैया को राज्यसभा भेजना चाहिए, लेकिन दिग्विजय सिंह उन्हें पीछे की ओर खींच रहे हैं। वही उन्होंने पूर्व की कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इंदौर में कोरोना फैलाने के पीछे पूर्व की कमलनाथ सरकार जिम्मेदार है ।

225 करोड़ की टैक्स चोरी में डीजीजीआई की बड़ी कार्रवाई, ऑपरेशन कर्क के तहत मुंबई से वाधवानी गिरफ्तार

इंदौर(एजेंसी)।

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी में पान मसाला, गुटखा में करोंड़ो का टैक्स चोरी मामले में डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस (डीजीजीआई), भोपाल ने मुंबई से इंदौर के उद्योगपति किशोर वाधवानी को गिरफ्तार कर लिया है। डीआरआई की मुंबई टीम ने वाधवानी को ऑपरेशन 'कर्क' के तहत एक होटल से पकड़ा और भोपाल टीम ने मुंबई में ही उसकी गिरफतारी ली। जानकारी के अनुसार, डीआईजी हरिनारायणाचारी मिश्र ने बिना किसी का नाम लिए बताया कि केंद्रीय विभाग से जानकारी मिली है कि मुंबई से एक आरोपी को इंदौर लाया जा रहा है। उसे मंगलवार सुबह कोर्ट में पेश किया जाएगा। यह भी बताया जा रहा है कि विभाग ने वाधवानी की पांच दिन की रिमांड ले ली है। टैक्स चोरी मामले में वाधवानी ने विजय नायर का हाथ होने की जानकारी मिलने के बाद विभाग ने उन्हें दो बार समन जारी किए थे। लेकिन उनकी कोई भनक तक नहीं लगी इसके बाद टीम ने उनके 64 बी व 65 बी प्रेमनगर स्थित घर पर दबिश भी थी फिर ग्रुप के अन्य दफ्तरों, चैनल के दफ्तर भी टीम पहुंची थी लेकिन वह नहीं मिला। 9 से 12 जून के छापे के बाद से ही विभाग को वाधवानी की तलाश थी। बताया जा रहा है कि सांवेर रोड पर एएए इंटरप्राइजेस नाम से कंपनी है, जो विजय नायर द्वारा संचालित की जाती है।

एक अन्य कंपनी विष्णु एसेंस का संचालन अशोक डागा व अमित बोथरा करते हैं। दोनों पान मसाले, गुटखे का उत्पादन कर नायर को देते हैं। नायर इसे मध्य प्रदेश के साथ साथ महाराष्ट्र, गुजरात और अन्य पड़ोसी राज्यों में कच्चे में बेचा जाता है।

भारतीय उच्चायोग के कर्मचारियों का खुलासा: पाकिस्तानी पुलिस ने हिरासत में की दरिंदगी

पेशावर(एजेंसी)।

पाकिस्तान में सोमवार 15 जून को सुबह भारतीय उच्चायोग के 2 कर्मचारियों अचानक गायब होने से सनसनी फैल गई थी। भारतीय उच्चायोग ने इस बारे में पता चलते ही सख्ती दिखाई और तुरंत पाक सरकार से जांच की बात की। भारत की सख्ती को देखते हुए शाम तक पाकिस्तान की तरफ से बयान आया कि एक हिट एंड रन मामले में इस्लामाबाद पुलिस ने दोनों भारतीय कर्मियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। भारत द्वारा विरोध जताने पर शाम तक इन दोनों कर्मचारियों को छोड़ दिया गया । रिहा होने के बाद भारतीय उच्चायोग के दोनों कर्मियों पॉल सिल्वाडेस और द्विमू ब्रह्म ने बताया कि 12 घंटे की हिरासत में पाकिस्तान की पुलिस ने उनके साथ कितनी दरिंदगी दिखाई । उन्होंने बताया कि उनके साथ पुलिस ने अमानवीय व्यवहार किया। दोनों पीड़ितों के मुताबिक न सिर्फ उन्हें 12 घंटे तक हिरासत में रखा गया बल्कि इस दौरान लोहे की रॉड से उनकी पिटाई भी की गई। इसके अलावा जब इन दोनों ने पानी मांगा तो इन्हें गंदा पानी पीने के लिए भी मजबूर किया गया। जानकारी के मुताबिक दोनों ही अधिकारियों के शरीर पर चोटों के काफी निशान मौजूद हैं। इन दोनों ने बताया कि इन्हें हथकड़ी लगाकर और आंखों पर पट्टी बांधकर ले जाया गया था। इन्हें 12 घंटे तक भारतीय उच्चायोग के पास ही मौजूद किसी जगह पर हिरासत में रखा गया था जिससे उच्चायोग के अधिकारियों की प्रतिक्रिया पर भी नज़र रखी जा सके। दोनों भारतीय अधिकारियों ने बताया कि करीब 15-16 लोगों ने इनकी गाड़ी को करीब 6 वाहनों से घेर लिया था। उनकी आंखों पर पट्टी बांधकर एक अज्ञात जगह पर ले जाया गया जहां 6 घंटे तक उनसे पूछताछ और मारपीट की जाती रही। भारतीय अफसरों ने बताया कि उन्हें बार-बार लोहे की रॉड, लकड़ी के डंडे से पीटा गया और गंदा पानी पाने के लिए भी मजबूर किया गया। जानकारी के मुताबिक इन दोनों से उच्चायोग में काम कर रहे सभी लोगों की निजी जानकारी मांगी जा रही थी। रात करीब 9 बजे इन दोनों अधिकारियों को वापस भारतीय उच्चायोग को सौंप दिया गया। पाकिस्तानी मीडिया ने दोनों कर्मचारियों की गिरफ्तारी के संबंध में कहा है कि इन्हें पुलिस ने हिट एंड रन से जुड़े एक केस में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। दोनों इस्लामाबाद में हुए एक कार एक्सीडेंट में मुख्य आरोपी हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक ये दोनों भले ही भारतीय उच्चायोग में काम करते हैं लेकिन दोनों के ही पास डिप्लोमेटिक पासपोर्ट नहीं हैं। डॉन में छपी एक खबर के मुताबिक इन दोनों के खिलाफ इस्लामाबाद के सेक्रेटेरियट पुलिस स्टेशन में स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है। इन दोनों पर आरोप है कि इन्होंने पहले अपनी गाड़ी से फुटपाथ पर चल रहे एक व्यक्ति को कुचल दिया और फिर मौका ए वारदात से फरार होने की कोशिश भी की।

जम्मू-कश्मीर में आर आर स्वैन बने सीआईडी के नए प्रमुख

जम्म। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शीर्ष पुलिस अधिकारियों के तबादले किए। अधिकारियों ने बताया कि रश्मि रंजन स्वैन को सीआईडी का नया प्रमुख बनाया गया है। उन्होंने बी. श्रीनिवास की जगह ली है। अधिकारियों ने यहां इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वैन 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह साल 2005 तक जम्मू कश्मीर में रहे तथा बाद में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में चले गए थे। उन्होंने बताया कि श्रीनिवास 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं, जिन्हें 2018 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लाया गया था ताकि खुफिया तंत्र को बहाल करने में राज्य पुलिस की मदद कर सकें। उन्हें होमगा र्ड एवं आपदा बल के कमांडेंट जनरल के तौर पर पदस्थापित किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि वह अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के भी प्रमुख होंगे। अधिकारियों ने बताया कि सीआईडी के अतिरिक्त महानिदेशक के तौर पर उनके दूसरे कार्यकाल के दौरान राज्य में खुफिया आधारित कई अभियानों को अंजाम दिया गया जिसमें पूर्ववर्ती राज्य और वर्तमान में केंद्रशासित प्रदेश में कई आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनिवास शुरुआत में 2010 में सीआईडी विभाग में आए थे, तब पथराव चरम पर था। बहरहाल, मुफ्ती मोहम्मद सईद के 2015 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें हटा दिया गया। उन्होंने बताया कि वह एसएसबी में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गए थे। इसके बाद जम्मू कश्मीर में एक बार फिर से तब उनकी सेवा की मांग की गई, जब वहां कानून व्यवस्था का तंत्र पूरी तरह चरमरा रहा था। उन्होंने बताया कि आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक उनके पदभार ग्रहण करने के बाद सितम्बर 2018 के बाद 85 स्थानीय आतंकवादी और 28 विदेशी आतंकवादी मार गिराए गए। साल 2019 में 123 स्थानीय और 31 विदेशी आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि साल 2020 में अभी तक 81 स्थानीय आतंकवादी और चार विदेशी आतंकवादी मारे जा चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोदी के साथ मीटिंग से पहले बोले येदियुरप्पा, कर्नाटक में अब लॉकडाउन की जरूरत नहीं

नेशनल डेस्क। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने मंगलवार को कहा कि उनका मानना है कि राज्य में कोरोना लॉकडाउन उपायों की अब जरूरत नहीं है, ऐसे में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से और ढील देने की दरख्वास्त करेंगे। येदियुरप्पा ने प्रधानमंत्री के साथ उनके वीडियो कांफ्रेंस के बारे में पूछे जाने पर कहा कि कर्नाटक के लिए लॉकडाउन की जरूरत नहीं है , हम और ढील का अनुरोध करेंगे। मीडिय से बात करते हुए कर्नाटक सीएम ने कहा कि यह रास्ता निकालने की अपील करूंगा ताकि लोग अब सामान्य जीवन जी पाएं और आर्थिक स्थितियों में सुधार हो। मेट्रो, थियेटर, जीम, स्वीमिंग पूल, बार जैसी कई सेवाएं अब अनलॉक 1.0 में भी बंद हैं। बता दें कि पीएम मोदी आज और बुधवार को अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस करने वाले हैं। येदियुरप्पा बुधवार को वीडियो कांफ्रेंस में भाग लेंगे।

फलों की ढुलाई के लिए आंशिक रूप से खुलेगी मुगल रोड

श्रीनगर । कश्मीर में अधिकारियों ने ताजा फलों की ढुलाई के लिए मुगल रोड को आंशिक रूप से खोलने की अनुमति दी है। इससे फलों को केंद्रशासित प्रदेश के बाहर के बाजारों में भेजने में मदद मिलेगी। मुगल रोड घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली वैकल्पिक सड़क है। संभागीय आयुक्त कश्मीर, के पांडुरंग पोल द्वारा जारी एक आदेश में यह जानकारी दी गयी है। इसमें कहा गया है कि ताजा फलों की ढुलाई के लिए मुगल रोड को आंशिक रूप से खोल दिया गया है। इन फलों में चेरी, आड़ू आदि शामिल हैं। आदेश में कहा गया है कि सड़क पर यात्री वाहनों को चलने की अनुमति नहीं है और ट्रकों की आवाजाही का समय सुबह 11बजे से शाम चार बजे तक ही है।

चिंताजनक: देश में बढ़ेगी गर्मी!, सदी के अंत तक पारा 4डिग्री से ज्यादा बढ़ने की संभावना

नेशनल डेस्क। जलवायु परिवर्तन का देश पर प्रभाव से संबंधित एक सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक इस सदी के अंत तक भारत के औसत तापमान में 4.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने के साथ ही लू की तीव्रता तीन से चार गुना बढ़ जाने का पूर्वानुमान है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1901 से लेकर 2018 के दौरान भारत के औसत तापमान में 0.7 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। इसकी मुख्य वजह ग्रीन हाउस गैसों की वजह से बढ़ी गर्मी है। इस रिपोर्ट को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री हर्ष वर्धन द्वारा मंगलवार को प्रकाशित किए जाने की उम्मीद है। यह रिपोर्ट पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पुणे स्थित भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के तहत आने वाले जलवायु परिवर्तन अनुसंधान केंद्र ने तैयार की है। रिपोर्ट में कहा गया कि 21वीं सदी के अंत तक भारत के औसत तापमान में करीब 4.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी का पूर्वानुमान है। देश में 1986 से 2015 की 30 साल की अवधि के दौरान वर्ष के सबसे गर्म दिन और सबसे ठंडी रात के तापमान में क्रमशः करीब 0.63 डिग्री सेल्सियस और 0.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस सदी के अंत तक सबसे गर्म दिन और सबसे सर्द रात के तापमान में क्रमशः करीब 4.7 डिग्री सेल्सियस और 5.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने का पूर्वानुमान है। इसमें कहा गया कि गर्म दिन और गर्म रातों की आवृत्ति के क्रमशः 55 और 70 प्रतिशत बढ़ने का पूर्वानुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि गर्मी (अप्रैल-जून) में भारत में चलने वाली लू की आवृत्ति 21वीं सदी के अंत तक तीन से चार गुना ज्यादा होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया कि उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर की समुद्री सतह का तापमान 1951 से 2015 के बीच औसतन एक डिग्री सेल्सियस बढ़ गया, जो इस अवधि के वैश्विक औसत 0.7 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा है। उत्तरी हिंद महासागर का जलस्तर 1874 से 2004 के बीच प्रतिवर्ष 1.06 से लेकर 1.75 मिलीमीटर की दर से बढ़ा, जबकि बीते ढाई दशक (1993 से 2017) में इसके बढ़ने की दर 3.3 मिलीमीटर प्रतिवर्ष रही, जो वैश्विक माध्य समुद्र तल वृद्धि के बराबर है। रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी हिंद महासागर में समुद्र तल का स्तर करीब 300 मिलीमीटर बढ़ जाएगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में मानसून के मौसम (जून से सितंबर) में भी 1951 से 2015 के बीच करीब छह प्रतिशत की कमी आई है और सबसे ज्यादा नुकसान गंगा के मैदानी इलाकों और पश्चिमी घाटों को हुआ है।

परिवार को मिले बीमा का 1 करोड़ रुपया, कारोबारी ने अपने ही मर्डर की दी सुपारी

नेशनल डेस्क। दिल्ली के पटपड़गंज से लापता कारोबारी गौरव बंसल का शव 9 जून को रणहौला में एक पेड़ से लटका मिला था। पुलिस ने इस मर्डर की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस भी इस पूरे मामले की सच्चाई जानकर हैरान रह गई। पुलिस ने कारोबारी के मर्डर की गुत्थी को सुलझाते हुए एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि मृतक कारोबारी गौरव बंसल कर्ज में डूबे थे। उन्होंने अपना काफी बड़ा इंश्योरेंस करवाया था। आर्थिक संकट से बाहर आने के लिए कारोबारी के मन में एक आइडिया आया। असने अपना ही मर्डर कराने की योजना बनाई ताकि उसके मरने बाद इंश्योरेंस की रकम परिवार को मिल जाए। कारोबारी ने अपनी मौत की सुपारी सोशल मीडिया पर मिले एक नाबालिग को दी। नाबालिग ने अपने तीन साथियों को मर्डर के लिए अपने साथ जोड़ा। प्लान के हिसाब से गौरव बंसल खुद का मर्डर कराने के लिए रणहौला पहुंचा जहां एक शख्स ने पहले उसके हाथ बांधे और फिर चारों ने हत्या करके पेड़ पर लटका दिया। पुलिस के मुताबिक, कारोबारी ने अपनी हत्या के लिए नाबालिग को 90 हजार रुपए दिए थे। पुलिस को 10 जून को कारोबारी की हत्या की सूचना मिली तो गहनता से जांच की गई तो पुलिस ने सबसे पहले सूरज नाम के शख्स को हिरासत में लिया। उसने पुलिस के सामने सारी सच्चाई बता दी कि उसने एक नाबालिग के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। नाबालिग आरोपी ने बताया कि वह फेसबुक पर कुछ दिन पहले ही गौरव बंसल के संपर्क में आया था।

चीन ने भारतीय सैनिकों पर सहमति का उल्लंघन करने का आरोप लगाया

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय सैनिकों ने 15 जून को दो बार अवैध गतिविधियों के लिए सीमा रेखा लांघी और चीन के कर्मियों को उकसाया तथा उन पर हमले किए जिसके कारण दोनों पक्षों के बीच गंभीर मारपीट हुई। साथ ही उसने भारतीय सेना के इस बयान का विरोध किया कि गलवान घाटी में ''तनाव कम करने की प्रक्रिया'' के दौरान सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई। भारतीय सेना के मुताबिक, पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में सोमवार को चीन के सैनिकों के साथ हिंसक झड़प के दौरान एक अधिकारी और दो सैनिक शहीद हो गए। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिनजियान ने सीमा पर भारतीय सैनिकों के शहीद होने की खबर के बारे में पूछे जाने पर बीजिंग में कहा, ''आप जो सूचना दे रहे हैं उसके बारे में मुझे जानकारी नहीं है।'' झाओ ने कहा, ''हमारे सैनिकों की उच्चस्तरीय बैठक हुई थी और सीमा पर स्थिति को सामान्य बनाने के बारे में महत्वपूर्ण सहमति बनी थी लेकिन आश्चर्यजनक रूप से 15 जून को भारतीय सैनिकों ने हमारी सहमति का गंभीर रूप से उल्लंघन किया और अवैध गतिविधियों के लिए दो बार सीमा रेखा लांघी और चीन के कर्मियों को उकसाया एवं उन पर हमले किए जिससे दोनों पक्षों के बीच गंभीर रूप से मारपीट हुई। चीन ने भारतीय पक्ष से कड़ा विरोध दर्ज कराया है।'' प्रवक्ता ने कहा, ''हम एक बार फिर भारतीय पक्ष से कहते हैं कि सहमति का पालन करें, अग्रिम मोर्चे के अपने सैनिकों पर कड़ाई से नियंत्रण करें और रेखा नहीं लांघें, समस्या पैदा नहीं करें या एकतरफा कदम नहीं उठाएं जिससे मामला जटिल बन जाए।'' झाओ ने कहा कि दोनों पक्ष वार्ता और विचार-विमर्श के माध्यम से मुद्दे के समाधान, स्थिति को सामान्य बनाने के प्रयास पर सहमत हुए और सीमावर्ती क्षेत्र मे शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने पर रजामंदी दी। कुछ दिनों पहले भारतीय सेना के प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे ने कहा था कि दोनों पक्षों ने गलवान घाटी में तनाव कम करना शुरू कर दिया है। भारत और चीन की सेना के बीच पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग सो, गलवान घाटी, डेमचोक और दौलत बेग ओल्डी में गतिरोध चल रहा है।

काफी संख्या में चीनी सैनिक अस्थायी सीमा के अंदर भारतीय क्षेत्र में पैंगोंग सो सहित कई स्थानों पर घुस आए हैं।

इमरान के लिए खतरा बने तीन (क) पाकिस्तान में मार्शल लॉ की तैयारी !

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान को हाथ से सत्ता जाने का डर सता रहा है। खास बात यह है कि तीन ÷क÷ इमरान खान की कुर्सी के लिए खतरा बने हुएहैं। पाकिस्तानी सेना कश्मीर, कोरोना और कंगाली तीनो मुद्दों को लेकर इमरान खान सरकार से नाराज चल रही है। मीडिया में जारी कयासों के मुताबिक जल्द ही पाकिस्तानी सेना इमरान खान को प्रधानमंत्री के पद से हटाकर देश में मार्शल लॉ का औपचारिक ऐलान कर सकती है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा रहा है कि पाक सेना ने पिछले दो महीनों के अंदर सिविल एडमिनिस्ट्रेशन में 12 लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के अफसरों को तैनात किया है । पाकिस्तान के पूर्व डिप्लोमैट और अब पत्रकार वाजिद शम्स उल हसन के अनुसार कोरोना वायरस के खिलाफ प्रधानमंत्री इमरान खान की नीतियों की विफलता से पाक सेना का शीर्ष नेतृत्व सख्त नाराज है। सामान्य प्रशासन में पिछले दो महीनों में जिस प्रकार से सैन्य अधिकारियों की नियुक्तियां की गई हैं इससे देश सैन्य शासन की ओर जाता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि हालाांकि पाकिस्तान में अभी मार्शल लॉ का औपचारिक ऐलान नहीं किया गया है। वाजिद शम्स उल हसन का कहना है कि पाकिस्तान सरकार के उच्च पदों पर अब सैन्य अधिकारियों ने कब्जा जमा लिया है। वे इमरान सरकार की नीतियों को छोड़कर सैन्य नीतियों को आगे बढ़ा रहे हैं। पाकिस्तान में सरकारी एयरलाइंस के एक्सीडेंट के बाद पाकिस्तान एयरलाइंस (पीआईए) और कोरोना वायरस पर लगाम लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ जैसे सबसे बड़े महकमों के चीफ अब फौजी अफसर हैं। गौरतलब है कि हाल में ही कोरोना को लेकर डब्लूएचओ ने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी।

ब्रिटेन में नई कोरोना वैक्सीन का जानवरों पर टेस्ट सफल, इंसानों पर ट्रायल शुरू

लंदन (एजेंसी)।

इंपीरियल कॉलेज लंदन के ैज्ञानिक कोरोना वायरस के ायोगिक टीके के साथ इस हफ्ते ब्रिटेन में लोगों पर ट्रायल शुरू करेंगे। वैश्विक महामारी को रोकने के लिए प्रभावी टीका ढूंढने की ौड़ में यह नयी कोशिश है। ब्रिटिश सरकार ने सोमवार को एक ायान में कहा कि इंपीरियल में ेकसित कोविड-19 के संभावित टीके की दो खुराकों के साथ करीब 300 स्वस्थ लोगों को प्रतिरक्षित किया जाएगा। इस टीके को विकसित करने के लिए सरकार ने 5.1 करोड़ डॉलर की निधि दी है। इंपीरियल कॉलेज लंदन में विकसित इस संभावित टीके का अब तक केवल जानवरों और प्रयोगशाला में परीक्षण हुआ है जहां इसने संक्रमित व्यक्ति में आम तौर पर देखे जाने वाले एंटीबॉडी से ज्यादा स्तर पर एंटीबॉडी बनाए हैं। कई वैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि इस वैश्विक महामारी को प्रभावी टीके से ही रोका जा सकता है जिसे विकसित करने में सामान्य तौर पर कई वर्ष लग सकते हैं। टीका अनुसंधान की अगुवाई कर रहे रॉबिन शटोक ने कहा, दीर्घकालिक दृष्टि से, एक व्यवहार्य टीका सबसे ज्यादा संवेदनशील लोगों को बचाने के लिए महत्त्वपूर्ण होगा, जो प्रतिबंधों में ढील देने और लोगों को सामान्य जीवन की तरफ लौटने में मदद करेगा। करीब एक दर्जन संभावित टीकों का फिलहाल हजारों लोगों में शुरुआती तौर पर परीक्षण किया जा रहा है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि कोई भी काम करेगा लेकिन इस बात की उम्मीद बढ़ती जा रही है कि साल के अंत तक कोई न कोई टीका तैयार हो जाएगा।

उत्तर कोरिया ने फिर असैन्य क्षेत्र में दाखिल होने की धमकी दी

प्योंगप्यांग (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया की सेना ने मंगलवार को उन क्षेत्रों में वापस लौटने की धमकी दी है जिसे अंतर-कोरियाई शांति समझौते के तहत असैन्य क्षेत्र घोषित किया गया है। उत्तर कोरिया अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ परमाणु वार्ता रूकने के बाद से अपने चिर प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया पर लगातार दबाव बनाना जारी रखे हुए है। कोरियन पीपल्स आर्मी के जनरल स्टाफ ने कहा कि जिन क्षेत्रों को दक्षिण कोरिया के साथ समझौते के बाद असैन्य क्षेत्र बनाया गया था, उन अनिर्दिष्ट सीमावर्ती क्षेत्रों में आगे बढ़ने की सत्तारूढ़ पार्टी की सिफारिशों की सेना समीक्षा कर रही है। इससे पहले उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की शक्तिशाली बहन भी कह चुकी हैं कि किसोंग में सीमा से लगते हुए क्षेत्र में बेकार पड़े अंतर-कोरियाई 'संपर्क कार्यालय' को खत्म कर दिया जाए और 'दुश्मन' दक्षिण कोरिया के साथ आगे का निर्णय सेना करे। हालांकि अभी स्पष्ट नहीं है कि उत्तर कोरिया की सेना क्या करेगी लेकिन उसका यह धमकी देना जारी है कि वह सीमा पर तनाव कम करने के लिए 2018 में हुए द्विपक्षीय सैन्य समझौते से अपने हाथ पीछे खींच सकती है। उत्तर कोरिया ने हाल के महीनों में एक हद तक दक्षिण कोरिया के साथ सभी तरह के सहयोग को यह कहते हुए खत्म कर दिया है कि वाशिंगटन के साथ परमाणु समझौते में प्रगति नहीं हो रही है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेई-इन ने सोमवार को कहा था कि उत्तर कोरिया को दुश्मनी को बढ़ावा देना बंद करके बातचीत करनी चाहिए ।

संक्षिप्त समाचार

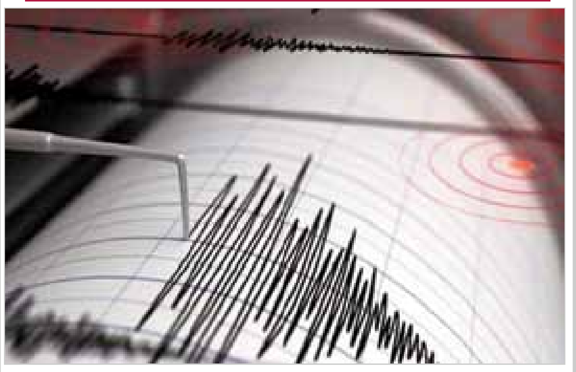

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 5.7 तीव्रता का भूकंप

पेशावर। पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में मंगलवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि भूकंप के झटके पेशावर, मानसेहरा, स्वात, निचले एवं ऊपरी दीर, शांगला, स्वाबी, मालाकंड, नौशेरा, चारसड्डा, कोहाट, डी आई खान और बन्नू में महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र पड़ोसी ताजिकिस्तान में जमीन की सतह से 112 किलोमीटर गहराई में था।

हज यात्रा रद्द करने की तैयारी में सऊदी अरब

दुबई। सऊदी अरब प्रशासन इस साल कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते हज यात्रा को रद्द करने की तैयारी कर रहा है। सऊदी अधिकारियों के अनुसार 2020 हज यात्रा को लेकर एक सप्ताह के अंदर फैसला लिया जा सकता है। बता दें कि हर साल 20 लाख के करीब तीर्थयात्री सऊदी अरब हज के लिए आते हैं। इससे पहले सऊदी प्रशासन ने मार्च में ही सभी देशों से अपील करते हुए कहा था कि वे कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हज के कोटे को कम रखें। सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था में हज और उमराह से होने वाली आमदनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। माना जा रहा है कि इस साल हज को स्थगित करने से सऊदी की अर्थव्यवस्था को तगड़ी चोट लगेगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी प्रशासन इस साल बुजुर्ग तीर्थयात्रियों पर प्रतिबंध और गंभीर स्वास्थ्य जांच सहित कई तरह के अन्य प्रतिबंधों पर भी विचार कर रहा है। इसके तहत प्रत्येक देश को हज का जितना कोटा दिया गया है उसके 20 फीसदी ही लोग इस बार हज यात्रा कर सकेंगे। बता दें कि सऊदी अरब में भी कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रविवार तक यहां संक्रमितों की संख्या 123,308 हो गई, जबकि 932 लोगों की मौत हुई है। सऊदी अरब में कोरोना का पहला मामला 2 मार्च को सामने आया था जिसके बाद अप्रैल और मई में इसकी रफ्तार काफी तेज हुई है।

मॉस्को में पकड़े गए अमेरिकी नागरिक के माता-पिता ने निष्पक्ष सुनवाई की मांग की

वाशिंगटन। मॉस्को में करीब एक साल से जेल में बंद अमेरिका के पूर्व नौसेनिक के माता-पिता ने सरकार और अदालत से अपने बेटे के मामले में निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने की अपील की है। पूर्व अमेरिकी सैनिक ट्रेवर रीड को पुलिस अधिकारियों को खतरे में डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रूस की एक अदालत द्वारा सोमवार को एक अन्य अमेरिकी को जासूसी मामले में एक दशक से अधिक की जेल की सजा सुनाने के बाद उन्होंने यह बयान दिया। रीड के परिवार ने निष्पक्ष सुनवाई की मांग करने के साथ ही अमेरिकी अधिकारियों के मामले पर करीबी नजर रखने की अपील भी की है। रीड के पिता जोइ रीड ने 'एपी' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, '' हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सरकार और एजेंसियों में शामिल लोग यह समझे की अगर उसे गलत सजा मिलती है तो क्या होगा।'' माता-पिता ने कहा, '' मामले में अभी जो सबूत और तथ्य पेश किए गए हैं, मेरे अनुसार उसके तहत जो भी सजा मिलेगी वह गलत होगी।'' गौरतलब है कि ट्रेवर रीड को अगस्त 2019 में मॉस्को में पुलिस अधिकारियों पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अधिकारी उस समय उसके नशे में होने की वजह से उसे पुलिस थाने ले जा रहे थे। रूसी अधिकारियों का कहना है कि 28 वर्षीय रीड नशे में था जब उसने पुलिस की गाड़ी के चालक का हाथ पकड़ लिया जिससे गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह दूसरी लेन में चली गई। वहीं दूसरे पुलिस अधिकारी के हस्तक्षेप करने पर उसने उसको भी कोहनी मारी थी ।

रूस में भड़के दंगो में सात पुलिस अधिकारी घायल

मास्को । रूस के दागेस्तान गणराज्य में एक अस्थायी शिविर में रहने वाले अज़रबैजान नागरिकों की ओर से किए गए दंगों में कम से कम सात पुलिस अधिकारी घायल हो गए। रूसी जांच समिति के स्थानीय विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। समिति के मुताबिक दंगे के दौरान सात पुलिस अधिकारी घायल हो गये तथा छह सरकारी वाहनें क्षतिग्रस्त हो गयी।इससे पहले दिन में डर्बेंट जिले के कार्यवाहक प्रमुख फुआद शाकीव ने बताया था कि दागेस्तान में अस्थायी शिविर में रहने वाले अजरबैजान के नागरिकों ने चार पुलिस अधिकारियों पर हमला कर दिया और कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया था। अजरबैजान के नागरिक सीमा बंद होने के कारण अपने देश लौटने में असमर्थता से नाराज थे। वक्तव्य के अनुसार लगभग 400 अज़रबैजान नागरिक दंगों का हिस्सा थे। प्रदर्शनकारियों ने संघीय राजमार्ग की स्थानीय शाखा को अवरुद्ध करने की कोशिश भी की।

ख़ुद को कोरोना मुक्त घोषित करने वाले इस देश में महामारी ने फिर दी दस्तक, सामने आए नए मामले

वेलिंगटन । कोरोना वयरस से विश्व भर जूझ रहा है। अमेरिका, ाजील, भारत और रूस अभी भी लगातार नए केसों के मामले में टॉप- देश बने हुए हैं। उधर चीन के बीजिंग और आस-पास के इलाकों में ोरोना संक्रमण के नए केस सामने आने के बाद बड़े पैमाने पर टेस्टिंग ुरू की गई है और कई इलाकों में लॉकडाउन घोषित कर दिया गया है। ाहीं न्यूजीलैंड ने मंगलवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस के 2 नए ामले सामने आए हैं, हालांकि ये दोनों केस ब्रिटेन से हाल की यात्रा से ंबंधित हैं। 2 नए केस आ जाने से देश में पिछले 24 दिन से कोरोना ेस सामने नहीं आने का सिलसिला थम गया। जानकारी के अनुसार यूजीलैंड ने पिछले सप्ताह यह घोषित करने के बाद कि देश में कोरोना ायरस का कोई नया या सक्रिय मामला नहीं है, सीमा को छोड़कर सभी रह के सामाजिक और आर्थिक प्रतिबंध हटा दिए थे। ऐसा करने वाला यूजीलैंड दुनिया का पहला देश था जिसने अपने यहां इस महामारी से हले वाली स्थिति में लौटने का ऐलान किया। कोरोना वायरस से लड़ाई ं सरकार का ...हालांकि, प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने चेतावनी देते हुए ।

ट्रंप का दावा: कोरोना वैक्सीन के मामले बहुत अच्छी प्रगति कर रहा अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका देश कोरोना वायरस महामारी से बचाव और उसके उपचार के लिए टीकों के मामले में काफी प्रगति कर रहा है । ट्रंप ने व्हाइट हाउस में प्रत्रकारों से कहा, ''चीन को ऐसा नहीं होने देना चाहिए था, लेकिन ऐसा हुआ। पूरी दुनिया में ये हुआ जो बेहद दुखद है। लेकिन हमारी संख्या कम है और यह सुधर रही है। और एक दिन यह घट कर समाप्त हो जाएगी।'' उन्होंने कहा, '' टीकों के मामले में हम बहुत अच्छी प्रगति कर रहे हैं। तो एक प्रकार से हम उपचारात्मक उद्देश्य में और बचाव की दिशा में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। मैंने परिणाम देखें हैं। काम कर रहे कुछ लोगों से मैंने मुलाकात की है, शानदार लोग, महान लोग ,ऐसे लोग जो पहले सफलता अर्जित कर चुके हैं।'' ट्रंप ने कहा, '' टीकों, उपचार और रोगमुक्त होने के संबंध में हम आपके लिए कुछ बहुत अच्छी खबर लाएंगे क्योंकि मेरा अनुमान है कि अगर आप इसे उपचार के तौर पर देखें और अगर यह तेजी से काम करता है तो आप इसे रोगमुक्त होना ही कहेंगे। क्या आप नहीं कहेंगे? कि इस पर हमें अच्छी खबर मिलने वाली है। इसलिए मुझे लगता है कि इस पर हमें अच्छी खबर मिलने वाली है।''ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका बीमारी को समझ चुका है और सब सीख चुका है। साथ ही कहा कि अमेरिका में अब संक्रमण का स्तर धीरे-धीरे घट रहा है।

चीन सीमा से सटे ताइवान ने कोरोना को दी मात, अगली महामारी से लड़ने को भी तैयार

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन से शुरू हुआ कोरोना ायरस अब तक 213 देशों तक र पसार चुका है । इस महामारी ने दुनिया भर में करीब 4 लाख से अधिक मौते हो चुकी है और 80 ाख से अधिक संक्रमण के शिकार हैं। लेकिन हैरान करने ाली बात यह है कि चीन के बेहद करीब स्थित देश ताइवान पर इस ायरस का ज्यादा असर नहीं देखा। ताइवान सरकार ने अपनी ूझबूझ से न सिर्फ कोरना को मात ेने में कामयाबी हासिल की बल्कि अगली महामारी से लड़ने की ैयारी भी शुरू कर दी है। जनवरी ं जब संक्रमण शुरू हुआ था तब ानकारों का मानना था कि चीन े बाद सबसे ज्यादा मामले ाइवान में ही देखने को मिलेंगे लेकिन चीन में जब 80 हजार से भी ज्यादा मामले सामने आए तब ताइवान ने इसे सिर्फ 50 मामलों पर ही रोके रखा । जानकारों का कहना है कि ताइवान ने जिस फुर्ती के साथ वायरस की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाए, उसी का नतीजा है कि वह इस महासंकट से खुद को बचाए रख सका। अमेरिका की स्टैनफॉर्ड यूनिवर्सिटी के डॉक्टर जेसन वैंग का कहना है कि ताइवान ने बहुत जल्दी ही मामले की गंभीरता को पहचान लिया था। ÷2002 और 2003 में सार्स एपिडेमिक के बाद ताइवान ने नेशनल हेल्थ कमांड सेंटर स्थापित किया। यह अगली महामारी से निपटने के लिए बनाया गया था। ÷ चीन में जैसे ही कोरोना पीड़ितों के मामले बढ़ने लगे ताइवान ने बिना देर करते हुए चीन, हांगकांग और मकाउ पर ट्रैवल बैन लगा दिया। इतना ही नहीं, ताइवान की सरकार ने सर्जिकल मास्क के निर्यात पर भी रोक लगा दी ताकि देश में इसकी कमी ना हो सके। सरकार ने अपने संसाधनों को बहुत सोच समझ कर इस्तेमाल किया, ताइवान की सरकार ने नेशनल हेल्थ इंश्योरेंश, इमिग्रेशन और कस्टम के डाटा का समाकलन किया। लोगों की ट्रैवल हिस्ट्री को इससे जोड़ कर मेडिकल अधिकारी पता लगा पाए कि किन किन लोगों को संक्रमण हो सकता है। यहां तक कि ताइवान की सरकार ने ऐसे ऐप भी तैयार किए जिनके जरिए लोग देश में प्रवेश करते वक्त क्यूआर कोड को स्कैन कर अपने लक्षण और अपनी यात्राओं की जानकारी दे सकें। इसके बाद इन लोगों के फोन पर मैसेज भेजा जाता जिसे वे कस्टम अधिकारियों को दिखाते। अधिकारी इस तरह से पहचान कर पाते कि किसे प्रवेश करने देना है और किस पर नजर रखनी है। नई तकनीक की मदद से ताइवान की सरकार बहुत कुछ करने में सफल हो पाई। न केवल सरकार ने अपना काम संजीदगी से किया, बल्कि ताइवान की जनता ने भी अपनी सरकार का साथ दिया। उन्हें जो भी निर्देश दिए गए, लोगों ने उनका पालन किया। अमेरिका की ओरिगॉन यूनिवर्सिटी के चुनहुई ची कहते हैं, सार्स के दौरान लोगों को बहुत सी मुश्किलों को सामना करना पड़ा था। वे यादें अभी भी ताजा हैं। इससे लोगों में सामाजिक एकजुटता का अहसास हुआ। उन्होंने इस बात को समझा कि इस मुश्किल घड़ी में वे सब एक साथ हैं ।

कोविड-19 से बचाव के लिये मानव एंटीबॉडी की खोज

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों ने कोविड-19 संक्रमण से उबर चुके लोगों के रक्त से एंटीबॉडी की खोज की है, जिसका पशुओं और मानव कोशिकाओं पर परीक्षण किये जाने पर यह सार्स-कोव-2 से बचाव में बहुत कारगर साबित हुई हैं। अमेरिका के स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार कोविड-19 रोगियों को सैद्धांतिक रूप से बीमारी के शुरुआती स्तर पर एंटीबॉडी इंजेक्शन लगाए गए, ताकि उनके शरीर में वायरस के स्तर को कम करके उन्हें गंभीर हालत में पहुंचने से बचाया जा सके। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा इन एंटीबॉडी का उपयोग उन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, बुजुर्गों और अन्य लोगों को सार्स-कोव-2 संक्रमण से बचाने के लिये अस्थायी तौर पर टीके जैसी सुरक्षा प्रदान करने के लिए भी किया जा सकता है, जिनपर पारंपरिक टीकों का कुछ खास असर पड़ता दिखाई नहीं दे रहा है या फिर जिनमें शुरुआती स्तर के कोविड-19 के लक्षण दिखाई दिये हैं। विज्ञान से संबंधित पत्रिका 'साइंस' में सोमवार को प्रकाशित यह अनुसंधान इस घातक वायरस से तुरंत बचाव का रास्ता दिखाता है। शोध के दौरान उन मरीजों से रक्त के नमूने लिए, जो हल्के-से-गंभीर स्तर के कोरोना वायरस संक्रमण से ठीक हुए हैं। इसके बाद उन्होंने एसीई2 नामक परीक्षण कोशिकाएं विकसित कीं, जिनका इस्तेमाल कर सार्स-कोव-2 मानव कोशिकाओं में प्रवेश करता है। प्रारंभिक प्रयोगों के दौरान टीम ने परीक्षण किया कि क्या मरीजों के एंटीबॉडी युक्त रक्त वायरस के प्रभाव को कम कर उसे परीक्षण कोशिकाओं को संक्रमित करने से रोक सकते हैं। स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के डेनिस बर्टन ने कहा, शक्तिशाली एंटीबॉडी महामारी के खिलाफ तेज प्रतिक्रिया देने में बहुत कारगर साबित हो सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने सऊदी गठबंधन को बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाली काली सूची से निकाला बाहर

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ंतोनियो गुतारेस ने यमन सरकार ा समर्थन करने वाले सऊदी नीत ाठबंधन को उस वैश्विक काली ूची से बाहर निकाल दिया है जसमें उन सशस्त्र समूहों और रकारों/देशों को शामिल किया ााता है जिनकी गतिविधियों की ाजह से संघर्ष क्षेत्र में बच्चों को ुकसान पहुंचता है। हालांकि इस फैसले का कई मानवाधिकार समूहों ने विरोध किया है। सोमवार को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बच्चों और सशस्त्र संघर्ष को लेकर सालाना रिपोर्ट जारी की। इसमें सऊदी नीत गठबंधन को सरकारी बलों और सशस्त्र समूहों वाली इस नई सूची से बाहर निकाल दिया गया है। यह सूची बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से तैयार की जाती है। सऊदी नीत गठबंधन अमेरिका समर्थित यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार को हुती शिया विद्रोहियों और उनके सहयोगियों से लड़ाई में मदद कर रहा है। हुतियों ने अपना कब्जा यमन की राजधानी सना में 2014 में जमा लिया था जिसके बाद सऊदी नीत गठबंधन मार्च 2015 से वहां युद्ध में है। सशस्त्र संघर्ष क्षेत्र में बच्चों की संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि वर्जीनिया गाम्बा ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की। उन्होंने बताया कि महासचिव ने 'सतत और हवाई हमलों से मौत में उल्लेखनीय कमी' के बाद सऊदी को इस सूची से बाहर निकाला है। गाम्बा ने कहा कि पांच साल पहले हवाई हमले में यमन में 1,700 बच्चों की मौत हुई जबकि पिछले साल 171 बच्चों की मौत हुई। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सऊदी के साथ बच्चों की मौत और उनके घायल होने के मामले को खत्म करने के लिहाज से लाए गए एक मसौदा ज्ञापन की निगरानी कर रहा है, अगर वह इसे लागू करने में विफल रहे तो सऊदी अरब अगले साल फिर इस सूची में शामिल हो सकता है। बच्चों के अधिकारों की वकालत करने वाले समूह ह्यूमन राइट्स वाच के निदेशक जो बेकर ने आरोप लगाया कि सऊदी नीत गठबंध को इस सूची से बाहर निकालकर महासचिव ' शर्मनाक कार्यों की सूची में' एक और संख्या जोड़ रहे हैं और वह बच्चों के खिलाफ हो रहे जघन्य उल्लंघनों के अपने सबूत को ही नजरअंदाज कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह 'वाचलिस्ट ऑल चिल्ड्रेन एंड आर्म्ड कांफ्लिक्ट' की निदेशक एर्डियाना लेपर ने कहा कि सऊदी नीत गठबंधन को इस सूची से हटाकर महासचिव ने इस संदेश दिया है कि शक्तिशाली लोग बच्चों की हत्या के गुनाह से भी बचकर निकल सकते हैं। हालांकि हुती 'शर्मनाक कार्यो वाली सूची' में अब भी शामिल है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना भगाने के लिए तापी नदी में बर्फ डाल रहे सूरत के लोग

तापी को मां समान मानते हैं मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग

क्रांति समय

सूरत(एजेंसी)। कोरोना महामारी के बीच सूरत के कुछ हर दिन तापी नदी में बर्फ डाल रहे हैं। सूरत के मुस्लिम समुदाय के लोगों का मानना है कि हर दिन 500 किलो बर्फ डाल कर नदी को ठंडा रखा जाए तो शहर को कोरोना से बचाया जा सकेगा। दरअसल मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने तापी नदी को मां का दर्जा दिया है। उनका मानना है कि वह बाहर से यहां पर आए थे और यहीं बस गए। यहां पर रहने हुए उन्होंने काफी तरक्की की। उनका मानना है कि उनकी तरक्की और उनकी परिवार को स्वस्थ रखने में मां का ही आशीर्वाद है। इसके चलते पिछले एक हफ्ते से रोजाना 500 किलो के हिसाब से अबतक 3500 किलो बर्फ नदी में डाली जा चुकी है। नदी में बर्फ डालने वाले यह लोग रोजाना फकीरों को खाना खिलाते हैं और बाकी सेवा कार्य भी करते रहते हैं।

गौरतलब है गुजरात में पिछले 24 घंटे में कोरोना की वजह से 28 लोगों की मौत हो गई। 28 लोगों की मौत के बाद राज्य में कुल मृतकों की संख्या 1506 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 514 नए मामले सामने आने के बाद कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 24104 हो गई है। अकेले अहमदाबाद शहर में ही लगभग 17 हजार मामले सामने आए हैं ओर 1210 मौतें हुई हैं। सूरत में अब तक कोरोना से 100 लोगों मौत हो चुकी है, जबकि रोजाना 50 से लेकर 70 मामले सामने आ रहे हैं।

नहीं थम रही कोरोना की रफ्तार, 24 घंटों में 524 नए, 28 मरीजों की मौत

क्रांति समय

अहमदाबाद समेत गुजरात में कोरोना की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही! 24 घंटों के दौरान गुजरात कोरोना के 524 नए केस सामने आए हैं और 28 मरीजों की मौत हो गई! जबकि 418 मरीज स्वस्थ हुए हैंद्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में कोरोना के 332 नए केस दर्ज हुए हैं! सूरत में 71, वडोदरा में 41, गांधीनगर में 22, राजकोट में 10, भरुच में 6, पंचमहल में 5, अरवल्ली और अमरेली में 4–4, मेहसाणा, पाटन, कच्छ, जामनगर और सुरेन्द्रनगर में 3–3, बनासकांठा, साबरकांठा, आणंद और खेडा में 2–2, भ. ावनगर, बोटाद, देवभूमि द्वारका, मोरबी में 1–1 और अन्य राज्य 2 केस समेत राज्य में 524 केस दर्ज हुए हैं! इस दौरान अहमदाबाद में 21, सूरत, वडोदरा और साबरक. ांठा में 2–2 और पंचमहल में 1 समेत 28 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई! जबकि 24 घंटों में अहमदाबाद में 235, सूरत में 83, वडोदरा में 62, सुरेन्द्रनगर में 8, वलसाड में 8, भरुच में 4, खेडा में 3, अरवल्ली में 2, डांग में 2, गांध ीनगर में 2, पंचमहल में 2, पाटन में 2, अमरेली में 1, आणंद में 1, भावनगर में 1, छोटाउदेपुर में 1 और जूनागढ़ में 1 समेत 418 लोग स्वस्थ हुए हैं! राज्य में अब तक कुल 297870 टेस्ट किए गए और इसमें 24628 की रिपोर्ट पॉजिटिव आईद्य 24628 पॉजिटिव मामलों में 17090 लोग स्वस्थ हो चुके हैं और 1534 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है! शेष 6004 में से 5940 मरीजों की हालत स्थिर है और 64 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं! फिलहाल राज्य में 212905 लोग कोरन्टाइन हैं! जिसमें 208835 होम कोरन्टाइन और 4070 फैसि. लिटी कोरन्टाइन हैं!

4–5 तहसीलों को छोड़ राज्य की सभी तहसीलों में 1 मिमी से 232 मिमी बारिश

क्रांति समय

अहमदाबाद, गुजरात की 4–5 तहसीलों को छोड़ राज्य की सभी तहसीलों में 1 मिमी से लेकर 232 मिमी बारिश हुई हैद्य राहत आयुक्त एवं अतिरिक्त सचिव हर्षद पटेल की अध्यक्षता में आज झूम क्लाउट सॉफ्टवेयर के माध्यम से वेबिनार का आयोजन किया गयाद्य राहत आयुक्त ने सभी अधिकारियों का ऑनलाइन स्वागत कर बताया कि 15 जून 2020 तक राज्य में 95.25 मिमी यानि 11.46 प्रतिशत बारिश हुई हैद्य कच्छ जिले की अबडाला और लखपत तथा देवभूमि द्वारका तहसील को छोड़ अन्य सभी तहसीलों में 1 मिमी से लेकर 232 मिमी बारिश हुई हैद्य आगामी सप्ताह में दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ के कई इलाकों में सामान्य से हलकी बारिश होने का अनुमान हैद्य कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जारी वर्ष में 15 जून 2020 करीब 13.94 लाख हेक्टर क्षेत्र में खरीफ फसलों की बुवाई की गई है, जो पिछले वर्ष में इसी अवधि के दौरान 2.07 लाख हेक्टर क्षेत्र थी !

इस साल पिछले तीन साल की औसत बुवाई के मुकाबले 16.42 प्रतिशत बुवाई हुई है!

वेबिनार में राहत आयुक्त ने सिंचाई विभाग, आर एन्ड बी विभाग, वन विभाग समेत विभिन्न विभाग और सेन्ट्रल वॉटर कमीशन, एनडीआरएफ समेत एसडीआरएफ की पूर्व तैयारियों की समीक्षा की और बारिश के मौसम में संभावित आपदाओं से निपटने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया!

राज्यसभा चुनाव

कोरोना पोजिटिव तीन विधायक पीपीई कीट पहनकर करेंगे मतदान

क्रांति समय

अहमदाबाद, गुजरात में 19 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर दोनों पक्षों ने तैयारियां शुरू कर दी है! भाजपा के तीन विधायक कोरोना से संक्रमित है! तीनों विधायकों पीपीई कीट पहनकर मतदान कर सकेंगेद्य जबकि अन्य विधायकों को मास्क और सोशल डिस्टन्सिग का पालन करना अनिवार्य है!

राज्यसभा की 4 बैठकों के लिए 19 जून को मतदान होनाद्य राज्य के चुनाव के लिए तैयारियां शुरु की गई है! राज्य के कोराना का कहर लगातार जारी है! ऐसे में राज्यसभा की बैठकों के लिए होनेवाले चुनाव को लेकर विशेष रूप से तैयारियां की गई है! इस बार राज्य के चुनाव में सफेद रंग का बेलेट पेपर होगा! कोराना संक्रमित विधायकों को पीपीई कीट पहनकर मतदान करना होगा! भाजपा के तीन विधायक जगदीश पंचाल, किशोर चौहान और बलराम थवानी कोरोना से संक्रमित है! तीनों विधायक पीपीई कीट पहनकर मतदान करेंगे! केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन के मुताबिक हरेक विध ायकों को हरेक नियमों का पालन

करना अनिवार्य है!

हरेक विधायकों के लिए मास्क पहनना और सोशल डिस्ट्न्स का पालन करना अनिवार्य है! साथ ही मतदान के समय सभी विधायकों का थर्मल गन से टेम्प्रेचर अनिवार्य रूप से चेक किया जाएगा!

सभी विधायकों को सेनेटाइज के हाथ की सफाइ करवाकर मत. दान के लिए कलम दी जाएगी! कलम को लगातार सेनेटाइज किया जाएगा! विधानसभा गृह की चौथी मंजिल पर मतदान केन्द्र बनाया जाएगा!

प्रोक्सी वोटिंग टालने के लिए केन्द्रीय चुनाव के निर्देश के मुताबिक मतदान होगा! केन्द्रीय चुनाव आयोग व राज्य चुनाव आयोग के बीच मार्गदर्शन व व्यवस्था को लेकर विचार विमर्श हो रहा है! स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों को मेडिकल के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की है! स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार तैनात रहेगीद्य हाल की स्थिति के मुताबिक राज्यसभा चुनाव के लिए सिर्फ 172 विधायक ही वोट डालेंगे!

भाजपा के 103, कांग्रेस के 65, बीटीपी के 2, एनसीपी के 1 व निर्दलिय 1 विधायक मिलाकर कुल 172 विधायक मतदान कर सकेंगे!

एमएस यूनिवर्सिटी का विद्यार्थियों की ऑनलाइन परीक्षा लेने का फैसला

क्रांति समय

वडोदरा, कोरोना संकट के चलते राज्य की सभी स्कूल–कॉलेज बंद हैं और फाइनल ईयर के विद्यार्थियों की परीक्षा लेने अनिवार्य है! ऐसे में वडोदरा की एमएस यूनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों की ऑनलाइन परीक्षा लेने का फैसला किया है!

एमएस यूनिवर्सिटीकी आज सिन्डीकेट की बैठक हुई! जिसमें परीक्षा को लेकर बड़ा फैसला किया गयाद्य यूनिवर्सिटी के बेचरल के फाइनल ईयर और मास्टर्स के विद्यार्थियों की ऑनलाइन परीक्षा लेने का सिन्डीकेट की बैठक में फैसला किया गया!

एमएस यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों की एमसीक्यू बेस्ड परीक्षा ली जाएगी! गौरतलब है कि राज्य की अन्य यूनिवर्सिटियों में परीक्षा कार्यक्रम का ऐलान किया है और इसका विद्यार्थियों द्वारा विरोध किया जा रहा है! सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी द्वारा भी परीक्षा कार्यक्रम के ऐलान के बाद स्थगित करना पड़ा! छात्र संगठन मौजूदा दौर में परीक्षा लिए जाने का विरोध कर रहे हैं!

वडोदरा के एमएस यूनिवर्सिटी ने पहले सोशल डिस्टेसिंग के साथ परीक्षा के आयोजन का फैसला किया गया था!

लेकिन अब ऑनलाइन परीक्षा लेने का ऐलान किया है!

गुजरात के गिर वन क्षेत्र में एशियाई शेरों की आबादी में 29 फीसदी बढोतरी

क्रांति समय

अहमदाबाद, गुजरात में गिर के जंगलों में इन दिनों बब्बर शेरों की दहाड़ गूंज रही है। ऐसा शेरों की ताजा गणना के अनुसार गुजरात के गिर वन क्षेत्र में एशियाई शेरों की आबादी 29 फीसद बढ़ गई है। गिर एवं उसके आसपास के इलाकों में फिलहाल एशियाई शेरों की संख्या 674 बताई गई है, जबकि 2015 में हुई गणना में यह तादाद 523 थी। इस तरह दुनिया में एशियाई शेरों की इस अकेली बची पनाहगाह में शेरों के कुनबे में 151 की बढ़त हुई है।

गिर के जंगलों का क्षेत्रफल भी 2015 के 22 हजार वर्ग किमी के मुकाबले कुल 30 हजार वर्ग किमी हो गया है। यह खुशखबरी वन्य जीव प्रेमियों के साथ–साथ आम भारतीयों को भी राहत देने वाली है, क्योंकि एशियाई बब्बर शेर पूरे भारत का गौरव हैं।

दिलचस्प बात यह है कि एशियाई शेरों की तादाद में यह वृद्धि तब हुई है, जब 2018 में गिर और उसके आसपास के जंगलों में फैले खत. रनाक संक्रमण कैनाइन डिस्टेंपर वाइरस (सीडीवी) के कारण दो दर्जन से अधिक शेरों की असमय मृत्यु हो गई थी। तब उन्हें इस संक्रमण से बचाने के लिए अमेरिका से 300 वैक्सीन मंगाई गई थी। इन प्रयासों से समय रहते सीडीवी के संक्रमण पर काबू पा लिया गया। जबकि इसी संक्रमण के चलते 1994 में पूर्वी अफ्रीका के सेरेंगटी जंगलों में शेरों की कुल आबादी का 30 फीसदी सफाया हो गया था।

मालूम हो कि जूनागढ़ के नवाब ने 1936 में पहली बार शेरों की गणना कराई थी। उसके बाद 1965 से थोड़ी–बहुत लेटलतीफी के साथ हर पांच बरस में इनकी जनगणना का काम होता रहा है।

पेट्रोल–डीजल की बढ़ी कीमतों को लेकर गुजरात कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन आज

क्रांति समय

अहमदाबाद, गुजरात कांग्रेस पेट्रोल–डीजल की कीमतें बढ़ाए जाने के खिलाफ कल राज्यभर में प्रदर्शन करेगी बता दें कि मंगलवार को गुजरात ने सरकार प्रति लीटर पेट्रोल–डीजल की कीमतों में दो रुपए का इजाफा किया है!

पेट्रोल–डीजल की नई दरें सोमवार की रात 12 बजे से लागू हो गई हैं! गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने पर राज्य सरकार पर कड़े प्रहार करते हुए कहा कि उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल लॉकडाउन के कारण राज्य के खजाने को नुकसान होने का दावा करते हैं!

ऐसे में सवाल यह है कि क्या लॉकडाउन से गुजरात के गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को नुकसान नहीं हुआ? क्या उनका घरेलू बजट नहीं बिगड़ा और क्या उन पर आर्थिक बोझ नहीं बढ़ा? लॉकडाउन के कारण अनेक लोगों को रोजगार से हाथ धोना पड़ा है! लेकिन सरकार को गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के नुकसान की चिंता नहीं है, उसे केवल अपना खजाना खाली होने की चिंता है! चावडा ने कहा कि सरकार की आय घटने का भार जनता पर थोपने के बजाए सरकार को फर्जी उत्सव और विज्ञापनों पर खर्च बंद करना चाहिए! मुख्यमंत्री के लिए 200 करोड़ के विमान खरीदी क्यों न रद्द की जाती!

22 साल में करोड़ों रुपए कीमत की उद्योगपतियों को मुफ्त में बांट दी गई, तब सरकार को कोई नुकसान नहीं हुआ! कांग्रेस और भाजपा सरकारों में पेट्रोल–डीजल कीमतों की तुलना करते हुए अमित चावडा ने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड के दाम प्रति बेरल 107 डॉलर था और आज प्रति बेरल की कीमत 40 डॉलर है! 67 डॉलर कम होने के बावजूद उसका लाभ ग्राहकों को नहीं मिल रहाद्य कांग्रेस शासन में प्रति लीटर पेट्रोल रु. 71 और आज भाजपा सरकार में 76 रुपए हैद्य कांग्रेस शासन में प्रति लीटर डीजल 55 रुपए था, जिसकी आज कीमत रु. 74.60 हैद्य उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी रु. 9.20 और डीजल पर रु. 3.46 थी! जबकि आज पेट्रोल पर 33 रुपए यानी 258 प्रतिशत और डीजल पर 31.83 रुपए यानी 820 प्रतिशत एक्साइज ड्यूटी वसूली जा रही है! अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑइल सस्ता होने के बावजूद सरकार ने उसका फायदा जनता को नहीं दिया! लेकिन सरकारी खजाने को नुकसान होने के नाम पर पेट्रोल–डीजल की कीमतों में इजाफा कर दिया! सरकार द्वारा पेट्रोल––डीजल पर बढ़ाई कीमतों के विरोध में गुजरात कांग्रेस बुधवार को राज्य के जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन करेगी!

सरदार सरोवर का जलस्तर 127.70 मीटर

क्रांति समय

बड़ौदा, सरदार सरोवर नर्मदा बांध का जल स्तर 127.70 मीटर हो गया है। रिवर बेड पावर हाउस ने 200 मेगावाट के तीन टरबाइन चालू कर दिए हैं। वहीं कैनल बेड पावर हाउस का 50 मेगावाट का एक टरबाइन पहले से ही चल रहा है। दोनों श्रेणी के टरबाइन से गुजरात में 108. 83 लाख यूनिट बिजली बन रही है। इस बिजली की कीमत रोजाना लगभग 3 करोड रुपए की है।

नर्मदा बांध परियोजना से पैदा होने वाली बिजली को महाराष्ट्र,

मध्य प्रदेश एवं गुजरात के बीच बांटी जाती है। इसमें सर्वाधिक 57 फ़ीसदी बिजली मध्य प्रदेश को मिलती है। वहीं महाराष्ट्र को 27 और गुजरात को 16 फ़ीसदी बिजली मिलती है। नर्मदा नदी में मध्यप्रदेश में जो बांध बना हुआ है। उसमें भी बिजली का उत्पादन शुरू हो गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)